संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-145 ■ रायपुर, शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : द्वादशी
नक्षत्र : पूर्वभाद्रपदा
प्रथम करण : बालवा
द्वितीय करण : कौवाला
पक्ष : शुक्ल
वार : शुक्रवार
योग : ध्रुव
सूर्योदय : 06:30
सूर्यास्त : 17:39
चंद्रमा : कुंभ राशि में
राहुकाल : 10:41 - 12:05
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:42 - 12:27

आंध्र प्रदेश में 100 नगर निकायों में चुनाव प्रक्रिया पर रोक

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश राज्य चुनाव आयोग ने बुधवार को राज्य के सभी 100 शहरी स्थानीय निकायों में चल रही चुनाव प्रक्रिया पर रोक लगा दी। यह कदम सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश के बाद उठाया गया है, जिसमें कोर्ट ने उन उम्मीदवारों के लिए नामांकन की समय-सीमा बढ़ाने पर विचार करने को कहा था, जो कानून-व्यवस्था की समस्याओं के कारण अपना नामांकन पत्र दाखिल नहीं कर पाए थे। बुधवार देर शाम जारी एक आधिकारिक आदेश में, आयोग ने कहा कि यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के 21 अक्टूबर के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। चुनाव आयोग, जिला कलेक्टरों, जिला चुनाव अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों से रिपोर्ट मिलने के बाद गुरुवार को एक और आदेश जारी करेगा। इन चुनावों में 13 नगर निगम और 87 नगरपालिकाएं व नगर पंचायतें शामिल हैं।

'इंडिया' गठबंधन के नेताओं की आज होने वाली वर्चुअली बैठक टली

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेता 'वोट चोरी' के मुद्दे पर आज एक बार फिर एकजुट हो रहे थे। वोट चोरी के खिलाफ हो रहे विरोध-प्रदर्शन की रूपरेखा और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे का दबाव बढ़ाने की रणनीति तय करने के लिए इंडिया गठबंधन के नेता आज ऑनलाइन बैठक करने वाले थे। आज होने वाली इस वर्चुअली बैठक को टाल दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस बैठक की अध्यक्षता करने वाले थे। बैठक में एक नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित 'इंडिया' गठबंधन की रैली की तैयारियों की समीक्षा भी की जानी थी।

नेहा बोरा मामले में दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई पूरी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट में AISA अध्यक्ष नेहा बोरा की याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस सुब्रहमण्यम प्रसाद की बेंच इस मामले की सुनवाई की। नेहा बोरा की ओर से याचिका में स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट द्वारा जारी उस नोटिस को चुनौती दी गई है, जिसमें उन्हें 10,000 रुपये का बॉन्ड भरने और शांति बनाए रखने का निर्देश दिया गया था। अदालत में सुनवाई पूरी हो गई और शुक्रवार की शाम 6 बजे इस पर फैसला आएगा। नेहा बोरा के वकील गोपाल शंकर नारायण ने अदालत में कहा कि यह मामला भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126 और 130 के तहत जारी नोटिस से जुड़ा है।

राष्ट्रपति की गरिमामयी उपस्थिति में नुआखाई जुहार पर सेवा सम्मान पर्व एवं युवा प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित

जहां कभी आतंक का अंधेरा था, वहां आज विकास का उजियारा फैल रहा है : द्रौपदी मुर्मु

रायपुर ■ दैनन्दिनी





युवा बड़े सपने देखें, अपने विचारों को व्यापक बनाएं और अपनी सफलता को समाज एवं राष्ट्र की सेवा से जोड़ें। परिस्थितियां और चुनौतियां अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक युवा के भीतर कुछ नया करने, बेहतर बनाने और अपनी पहचान स्थापित करने की ललक होनी चाहिए। जब युवाओं के व्यक्तिगत प्रयास सामूहिक और राष्ट्रीय लक्ष्यों से जुड़ेंगे, तभी देश की प्रगति का मार्ग और अधिक प्रशस्त होगा। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में नुआखाई के अवसर पर आयोजित 'सेवा सम्मान पर्व एवं युवा प्रबोधन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सहित बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने नुआखाई की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नुआखाई मिलन केवल एक सांस्कृतिक समारोह नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध परंपराओं, आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता का उत्सव है। ऐसे आयोजन हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने, अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने और भारतीय जीवन मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि नुआखाई हमारी कृषि परंपरा को सहेजने, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और सामुदायिक भावना को मजबूत करने का पर्व है। अन्न केवल हमारी भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि किसान भाई-बहनों के परिश्रम, धरती की उदारता और प्रकृति के अनमोल उपहार का प्रतीक है। अन्न का सम्मान करना, किसानों के योगदान को स्वीकार करना और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने युवाओं से कहा कि वे जीवन में सीखना कभी बंद न करें। पुस्तकें पढ़ें, प्रश्न पूछें, नई चीजों को समझें और अपने ज्ञान एवं कौशल को निरंतर विकसित करें। जीवन में लक्ष्य तय करें और चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करें। सफलता और असफलता जीवन का हिस्सा हैं। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीखकर स्वयं में सुधार करते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि युवाओं को ज्ञान के साथ विनम्रता, महत्वाकांक्षा के साथ नैतिकता और सफलता के साथ सेवा-भाव को जोड़ना चाहिए। आपका ज्ञान किसी जरूरतमंद के काम आए, आपकी प्रतिभा किसी समस्या का समाधान करे और आपकी सफलता समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बने, तभी उपलब्धि की वास्तविक सार्थकता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्र का निर्माण केवल बड़े निर्णयों से नहीं होता, बल्कि करोड़ों नागरिकों के छोटे-छोटे ईमानदार प्रयासों से होता है। प्रत्येक युवा जो भी कार्य करे, उसे ईमानदारी, निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ करे। ये गुण विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवाओं के योगदान को और सशक्त बनाएंगे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महिलाओं की समान भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। देश की आधी आबादी को आगे बढ़ाए बिना राष्ट्र पूरी क्षमता के साथ प्रगति नहीं कर सकता।

उन्होंने महिलाओं से देश और समाज के कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने पुरुषों, विशेषकर युवाओं से कहा कि वे अपनी बहनों और बेटियों को ऐसा वातावरण और अवसर प्रदान करें, जिसमें वे बिना किसी बाधा के अपने सपनों को साकार कर सकें। महिलाओं के प्रति सम्मान केवल शब्दों में नहीं, बल्कि हमारी सोच, व्यवहार और दैनिक आचरण में भी दिखाई देना चाहिए।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने छत्तीसगढ़ में हो रहे सकारात्मक बदलाव का उल्लेख करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की कि केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों तथा युवाओं की दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर प्रदेश के युवा नक्सलवाद के भटकाव से मुक्त होकर मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जहां कभी आतंक का अंधेरा था, वहां आज विकास का उजियारा फैल रहा है। इस परिवर्तन से न केवल युवाओं और उनके परिवारों का कल्याण हो रहा है, बल्कि छत्तीसगढ़ और पूरे भारत के विकास को भी गति मिल रही है।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने प्रदेशवासियों को नुआखाई जुहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व केवल नई फसल के आगमन की खुशी मनाने का अवसर नहीं, बल्कि धरती माता के प्रति कृतज्ञता, किसानों के परिश्रम के सम्मान और मिल-जुलकर खुशियां बांटने का उत्सव है। यह हमारी समृद्ध कृषि संस्कृति, सामाजिक एकता और आपसी सहयोग की परंपरा को मजबूत करता है। राज्यपाल ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति को प्रदेश के लिए सौभाग्य और प्रेरणा का अवसर बताते हुए कहा कि उनका संघर्ष, सादगी, समर्पण और सेवाभाव हम सभी के लिए प्रेरक है। उन्होंने युवाओं से सेवा को अपने जीवन का स्वभाव बनाने और नशे एवं भटकाव से दूर रहकर ज्ञान, कौशल और नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि स्वस्थ, शिक्षित, संस्कारित और सेवाभावी युवा ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की मजबूत आधारशिला हैं। उन्होंने रक्तदाताओं, विशेष रूप से महिला रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की महान सेवाओं में से एक है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु जी का छत्तीसगढ़ से गहरा आत्मीय संबंध है। प्रदेशवासियों के मन में उनके प्रति अपार आदर और आत्मीयता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु जी का संपूर्ण जीवन संघर्ष, सादगी, सेवा, शिक्षा और दृढ़ संकल्प की प्रेरणादायक मिसाल है।

राष्ट्रपति की बस्तर दशहरा एवं मुरिया दरबार में सहभागिता प्रदेश के लिए गौरव का अवसर : सीएम साय



रायपुर ■ दैनन्दिनी

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के आज रायपुर आगमन पर स्वामी विवेकानंद विमानतल में राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता कौशल्या की पावन धरा छत्तीसगढ़ में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु का समस्त प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक बस्तर दशहरा एवं मुरिया दरबार में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु की सहभागिता छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का अवसर है। उनकी उपस्थिति से प्रदेश की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं का मान बढ़ेगा तथा विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को नई ऊर्जा मिलेगी।

पौलैंड भारत ने व्यापार, तकनीक, ऊर्जा और रक्षा समेत कई अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई

नई दिल्ली ■ एजेंसी



रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के लिए जारी अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक प्रयासों के बीच यूक्रेन के पड़ोसी और रूस के साथ टकरावपूर्ण संबंधों के लिए पहचाने जाने वाले पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात में दोनों देशों ने व्यापार, तकनीक, ऊर्जा और रक्षा समेत कई अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। खास तौर पर रक्षा उद्योग में साझेदारी, संयुक्त अनुसंधान और सह-उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ने के फैसले ने इस यात्रा को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बना दिया है। इसलिए सवाल उठ रहे हैं कि पोलैंड के साथ बढ़ता रक्षा सहयोग रूस के साथ भारत के दशकों पुराने और मजबूत रक्षा संबंधों को किस हद तक प्रभावित करेगा? भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को कायम रखते हुए इन दोनों देशों के साथ रिश्तों का संतुलन कैसे साधेगा? हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क की आज हुई व्यापक बातचीत ने भारत-पोलैंड रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने की कोशिश की है। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य तय करने के साथ रक्षा उद्योग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिजों और स्वच्छ ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। हम आपको याद दिला दें कि अगस्त 2024 में मोदी की पोलैंड यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया था और 2024-2028 की संयुक्त कार्ययोजना अपनाई गई थी।

बस्तर दशहरा में बड़ा हादसा: विजय रथ के पहिए के नीचे आने से एक व्यक्ति की मौत

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा में भीतर रैनी की रस्म से पहले आज दर्दनाक हादसा हो गया। आठ चक्कों वाले विजय रथ के पहिए के नीचे आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। जानकारी के मुताबिक, बस्तर दशहरा की महत्वपूर्ण रस्म भीतर रैनी के दौरान आठ चक्कों वाले विजय रथ को गोलबाजार की परिक्रमा कराई जाती है। इस अनोखी परंपरा को देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग जुटते हैं।

संघ प्रमुख मोहन भागवत पहुंचे बिलासपुर



बिलासपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत का आज दोपहर बिलासपुर आगमन हुआ। दो दिनों के प्रवास के दौरान प्रांतीय बैठक में शामिल होने के साथ पदाधिकारियों के संगठनात्मक चर्चा करेंगे।

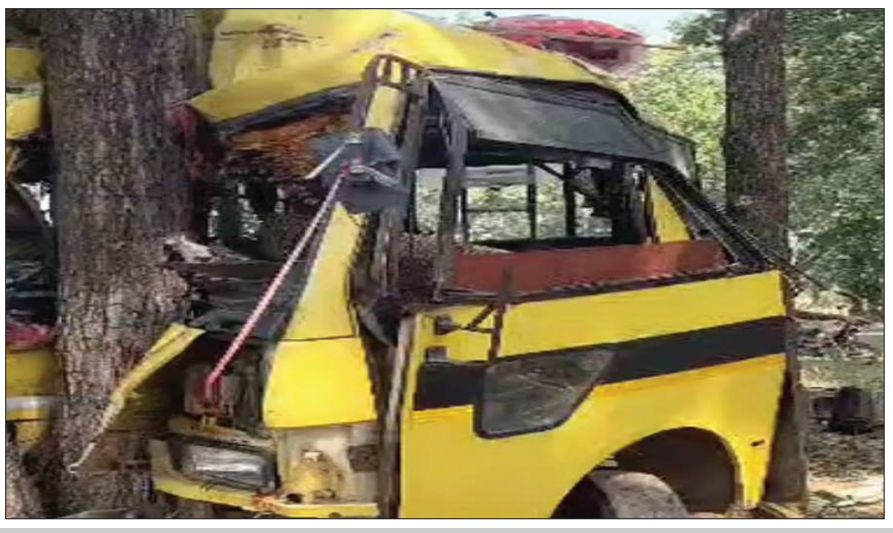
सरसंघचालक मोहन भागवत इंटरसिटी एक्सप्रेस से बिलासपुर पहुंचे। उनके आगमन को लेकर रेलवे स्टेशन में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिस के आला अधिकारी भी स्टेशन पर मौजूद रहे। रेलवे स्टेशन से मोहन भागवत का काफिला कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बिरकोना स्थित सरस्वती शिशु मंदिर आवासीय विद्यालय के लिए रवाना हुआ।

दो दिनों तक प्रवास के पहले दिन आज उनकी मुलाकात प्रांतीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से होगी, जिसमें विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की जाएगी। वहीं कल प्रांत स्तरीय बैठक का आयोजन किया जाएगा। इस बैठक में आरएसएस के प्रमुख पदाधिकारी शामिल होंगे। बैठक के बाद मोहन भागवत कल रात अमरकंटक एक्सप्रेस से जबलपुर के लिए रवाना होंगे।

मोहन भागवत के प्रवास को देखते हुए बिरकोना स्थित आवासीय विद्यालय और उसके आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन की टीम अलर्ट है।

अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई यात्री बस, चालक समेत 6 की मौत

15 से ज्यादा घायल



मनेन्द्रगढ़ (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ में आज एक भीषण सड़क हादसा हुआ है, जहां एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में एक बच्ची सहित 6 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 15 से ज्यादा यात्री घायल बताए जा रहे हैं। यह हादसा केल्हारी थाना क्षेत्र में हुआ है। बताया जा रहा है कि बस मनेंद्रगढ़ से केल्हारी जा रहीं जा रहीं थी, जिसमें लगभग 30 यात्री सवार थे। सेमरमथानी मोड़ के पास बस अनियंत्रित हो गई और पेड़ से जा टकराई।

घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि इस हादसे में एक बच्ची सहित 6 लोगों की मौत हो गई है और 15 से ज्यादा लोग घायल हैं। इधर सूचना मिलते ही पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची, जिसके बाद आनन-फानन में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

सीएम साय ने की मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये देने की घोषणा घायलों को मिलेंगे 50-50 हजार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-केल्हारी मार्ग पर हुए भीषण बस हादसे में एक बच्ची सहित 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को ₹5-5 लाख और घायलों को ₹50-50 हजार की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने घायलों के बेहतर उपचार के निर्देश दिए हैं।नक्शे देखें

सीएम साय ने जताया शोक

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भीषण बस दुर्घटना में 6 लोगों के असामयिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने इस हृदयविदारक घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

मुख्यमंत्री साय ने दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को राज्य शासन की ओर से ₹5-5 लाख तथा घायलों को ₹50-50 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की है।

रणबीर कपूर की 'रामायण' का जबरदस्त क्रेज, टिकट की कीमत पहुंची 3000 पार, एडवांस बुकिंग में 5 करोड़ से ज्यादा कमाई

मुंबई (एजेंसी)। रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायणः द राइज ऑफ ए लेजेंड' रिलीज से पहले ही चर्चा में आ गई है। फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू होते ही दर्शकों के बीच इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

हालांकि, इस बार चर्चा सिर्फ फिल्म की भव्यता और स्टारकास्ट की नहीं, बल्कि टिकटों की आसमान छूती कीमतों की भी हो रही है। मुंबई में फिल्म के प्रीमियम रिक्लाइनर टिकट की कीमत 3,170 रुपये तक पहुंच गई है।

वहीं, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे शहरों में भी अलग-अलग सिनेमाघरों और फॉर्मेट के हिसाब से टिकटों के दाम तय किए गए हैं। ट्रेड वेबसाइट सैक्निल्क के आंकड़ों के मुताबिक फिल्म की एडवांस बुकिंग से अब तक करोड़ों रुपये की कमाई हो चुकी है।

मुंबई में 3170 तक पहुंची टिकट की कीमत

'रामायणः द राइज ऑफ ए लेजेंड' की टिकट कीमतों ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। मुंबई के चर्चगेट स्थित इरोस इनॉक्स आईमैक्स सिनेमा में फिल्म के IMAX 3D शो की बुकिंग उपलब्ध है। यहां सुबह 7:30 बजे के शो के टिकट 530 रुपये से 680 रुपये के बीच हैं। हालांकि प्रीमियम रिक्लाइनर सीट चुनने वाले दर्शकों को एक टिकट के लिए 3170 रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। टिकटों की कीमतों में अंतर सिनेमाघर, सीट की श्रेणी, शो के समय और स्क्रीनिंग फॉर्मेट के आधार पर है। सामान्य सीटों की तुलना में IMAX और प्रीमियम सीटों के लिए दर्शकों को अधिक पैसे चुकाने पड़ रहे हैं।



दिल्ली में भी अलग-अलग हैं टिकट के दाम

दिल्ली में भी फिल्म की टिकट कीमतें चर्चा का विषय बनी हुई हैं। PVR ECX चाणक्यपुरी में सुबह 9 बजे के 3D शो के टिकट 338.98 रुपये से 406.78 रुपये के बीच उपलब्ध हैं। ये कीमतें जीएसटी से पहले की हैं। वहीं रात 11:45 बजे के शो के लिए टिकटों की कीमत 474.58 रुपये से 559.32 रुपये तक बताई गई है। IMAX स्क्रीनिंग के लिए कीमतें और अधिक हैं। शो के समय और सीट के अनुसार टिकटों के दाम 600 रुपये से लेकर 2400 रुपये तक पहुंच रहे हैं। ऐसे में दर्शकों के पास अपनी सुविधा और बजट के हिसाब से विकल्प तो हैं, लेकिन प्रीमियम अनुभव के लिए उन्हें अच्छी-खासी रकम खर्च करनी पड़ सकती है।

बेंगलुरु में 950 तक के टिकट

बेंगलुरु में फिल्म के कन्नड़ और तेलुगु संस्करणों की बुकिंग भी सामने आई है। एएमबी सिनेमाज कपाली समेत कुछ सिनेमाघरों में फिल्म के शो सूचीबद्ध किए गए हैं।

यहां सुबह 9:15 बजे का शो सबसे शुरुआती उपलब्ध शो में शामिल है। 2D और 3D फॉर्मेट में टिकटों की कीमत 450 रुपये से 950 रुपये के बीच बताई गई है। हालांकि बेंगलुरु में हिंदी संस्करण और IMAX शो की बुकिंग अभी सूचीबद्ध नहीं हुई थी। वहीं हैदराबाद और चेन्नई में भी टिकटों की बिक्री शुरू होने का इंतजार किया जा रहा है।

किस OTT प्लेटफॉर्म को मिले 'रामायण' के डिजिटल राइट्स?

मुंबई (एजेंसी)। रणबीर कपूर स्टारर 'रामायण' दिवाली के मौके पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी ये फिल्म 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और इसकी एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। एडवांस बुकिंग में 'रामायण' को लेकर जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है। दशहरे पर फिल्म की एडवांस बुकिंग आधिकारिक तौर पर खोली गई। इस बीच फिल्म की ओटीटी रिलीज पर भी अपडेट आ गया है। नमित मल्होत्रा ने इस फिल्म के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार से हाथ मिलाया है। थिएटर पर रन टाइम पूरा करने के बाद 'रामायणः पार्ट 1' को ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचाने के लिए जियो हॉटस्टार पर रिलीज किया जाएगा।

थिएटर के बाद जियोहॉटस्टार पर रिलीज होगी रामायण

'रामायणः पार्ट 1' 5 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसमें IMAX 3D भी शामिल है। थिएटर रिलीज की अवधि पूरी होने के बाद इसे भारत में दर्शक जियोहॉटस्टार पर देख सकेंगे, लेकिन इस फिल्म को देखने के लिए दर्शकों को स्पेशल ऑन-डिमांड ऑप्शन का सहारा लेना पड़ेगा। जी हां, दर्शक पे-पर-व्यू सुविधा के तहत जियोहॉटस्टार पर 'रामायण- पार्ट 1' देख पाएंगे और ये पहली बार है जब जियो हॉटस्टार इस सुविधा के तहत ऑडियंस को अलग से फिल्म खरीदकर देखने का ऑप्शन उपलब्ध करा रहा है। जियोस्टार की चेयरपर्सन नीता मुकेश अंबानी ने 'रामायण' की ओटीटी रिलीज पर कहा, 'रामायण भारत की सबसे महान धरोहरों में से एक है और ये एक ऐसी कहानी है, जिसने सदियों से हमारी चेतना को आकार दिया है। इसने हमारी कल्पनाओं को प्रेरित किया है और हमारे जीवन को एक दिशा दी है।

अनुपम खेर ने शेयर किया इमोशनल नोट, कहा- मां से मिले दो महीने हो गए, पूछ रही हैं, तू कब आएगा?

मुंबई (एजेंसी)। दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों घर और परिवार से दूर अपने काम में व्यस्त चल रहे हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी मां दुलारी को याद करते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि मां से मिले हुए लगभग दो महीने हो गए हैं। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां की दो तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि वह रोज भाई राजू खेर के फोन पर फेसटाइम के जरिए उनसे बात करते हैं। अनुपम खेर ने फोटो के साथ पोस्ट में लिखा, मां से मिले लगभग दो महीने हो गए हैं। हालांकि, रोजाना राजू के फोन पर फेसटाइम पर बात हो जाती है, क्योंकि मां स्मार्टफोन नहीं चलाती हैं। आज बात करते-



करते बोलीं, तू कब आएगा? कितने दिन हो गए तुझसे मिले हुए। तू मेरी शक्ल भूल तो नहीं गया?

अभिनेता ने बताया कि मां की बात सुनकर वह भावुक हो गए। उन्होंने लिखा, मां की यह बात सुनकर हंसी भी आई और आंखें भी भर आईं। कितनी मासूम है मां। मैं वीडियो कॉल पर उनसे बात कर रहा था और मुझे समझ में आ रहा था कि वो क्या कहना चाहती हैं। असल, में वह जब तक मुझे गले न लगा लें, पास बैठाकर जी भर के बातें न कर लें, तब तक मां के लिए कहां मिलना होता है।

अनुपम खेर ने आगे लिखा, फोन पर तो बस चेहरा दिख जाता है, लेकिन बच्चे के घर आने का इंतजार तो वहीं का वहीं रहता है। अभिनेता ने बताया कि मां फिर बोलीं, अच्छा चल, अपना खयाल रख। कोई बात नहींज् कोई बात नहीं। उन्होंने कहा कि मां की इस कोई बात नहीं में कितना कुछ होता है।

अभिनेता ने अपनी मां के लिए लिखा, कैसे बताऊं आपको मां, आपका चेहरा मेरे दिल में बसा हुआ है। आंखें बंद करता हूं, तो आपके हजारों चेहरे नजर आते हैं।

बिग बॉस 20 के सफर पर बोले अमन गांधी, कहा- मैं खुद को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाया

मुंबई (एजेंसी)। हाल ही में रियलिटी शो बिग बॉस 20 से बाहर हुए टेलीविजन अभिनेता अमन गांधी ने शो में अपने सफर को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि वह शो के दौरान खुद को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाए। अमन ने कहा कि जो लोग उन्हें अच्छी तरह जानते हैं, उन्हें भी लगा कि घर के अंदर उनका असली व्यक्तित्व देखने को नहीं मिला। अभिनेता ने यह भी माना कि बिग बॉस के घर में रहते हुए वह खुद से बार-बार यही सवाल करते थे कि आखिर वह वैसे क्यों नहीं रह पा रहे हैं, जैसे आमतौर पर रहते हैं। उन्होंने कहा, मैं खुद को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाया। मैं खुद को जितना जानता हूं और लोग मुझे जितना जानते हैं, सभी का यही कहना था कि कहीं न कहीं अमन गायब था। यानी घर में असली अमन दिखाई नहीं दे रहा था। मैं भी अंदर बैठकर सोचता था



कि लोग तुम्हें जिस वजह से पसंद करते हैं, तुम वैसा क्यों नहीं कर पा रहे हो। मुझे लगता है कि बहुत ज्यादा दबाव, थोड़ी नकारात्मकता और कई चीजों का मिला-जुला असर दिमाग पर हावी हो जाता है। अंदर बहुत कुछ चल रहा था और मैं खुद को ठीक से व्यक्त नहीं कर पाया। अमन गांधी शो में केवल पांच सप्ताह का सफर तय कर सके। उन्हें अन्य नामित प्रतियोगियों की तुलना में कम वोट मिले, जिसके कारण उन्हें शो से बाहर होना पड़ा। लगातार दूसरे सप्ताह वह बॉटम में रहे थे। उनके साथ मैरी कॉम और उदिति सिंह भी बॉटम-थ्री में शामिल थीं।

इस सीजन में एक लाइफलाइन सिस्टम भी शुरू किया गया था, जिसके तहत हर प्रतियोगी को एलिमिनेशन से बचने के लिए दो अतिरिक्त मौके दिए गए थे, हालांकि अमन पहले ही एक वोटिंग राउंड में अपनी पहली लाइफलाइन गंवा चुके थे। शो के दौरान वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी नकुल ढुल ने अमन के यौन अनुभवों को लेकर कुछ टिप्पणियां की थीं, जिससे अभिनेता असहज महसूस करने लगे थे, हालांकि अमन ने उस समय सीधे तौर पर नकुल का सामना नहीं किया, लेकिन बाद में उन्होंने इस बारे में अन्य घरवालों से चर्चा की।

कुछ प्रतियोगियों ने अमन से यह सवाल भी किया था कि उन्होंने उसी समय नकुल की टिप्पणी का विरोध क्यों नहीं किया।

सेहत

सिर्फ स्वाद ही नहीं, सेहत भी संवारता है आयोडीनयुक्त नमक

हमारे रोजमर्रा के खाने में नमक की अहम भूमिका होती है। दाल हो, सब्जी हो या सलाद, बिना नमक के खाने का स्वाद अधूरा लगता है। क्या आप जानते हैं कि नमक का चुनाव आपकी सेहत पर भी बड़ा असर डाल सकता है? खासकर आयोडीनयुक्त नमक का इस्तेमाल शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है। हर साल 21 अक्टूबर को विश्व आयोडीन अल्पता दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को शरीर में आयोडीन की जरूरत और इसकी कमी से होने वाली परेशानियों के प्रति जागरूक करना है। विश्व आयोडीन अल्पता दिवस पर आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आयोडीन एक जरूरी पोषक तत्व है जिसकी मदद से थायरॉइड ग्रंथि सही तरीके से काम करती है। यह ग्रंथि ऐसे हार्मोन बनाती है, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म यानी भोजन से ऊर्जा बनाने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, आयोडीन बच्चों के मस्तिष्क के विकास, सीखने-समझने की क्षमता और सामान्य शारीरिक विकास के लिए भी जरूरी है। खासकर गर्भावस्था के दौरान आयोडीन की पर्याप्त मात्रा बेहद महत्वपूर्ण होती है क्योंकि इस समय बच्चे के मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र का विकास हो रहा होता है। इसलिए हर उम्र के व्यक्ति के लिए आयोडीन की जरूरत को समझना जरूरी है।

शरीर में लंबे समय तक आयोडीन की कमी रहने पर कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसकी कमी से थायरॉइड ग्रंथि बढ़ सकती है, जिसे घेंघा रोग कहा जाता है। बच्चों में आयोडीन की कमी मस्तिष्क के विकास को प्रभावित कर सकती है। इससे सीखने और समझने में परेशानी होने के साथ-साथ शारीरिक विकास भी प्रभावित हो सकता है।



वहीं, गर्भावस्था में आयोडीन की गंभीर कमी होने पर गर्भ में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में आयोडीन की कमी को हल्के में लेना सही नहीं है। आयोडीन की कमी से बचने का एक आसान तरीका है रोजाना खाने में आयोडीन युक्त नमक का इस्तेमाल करना। यह शरीर में आयोडीन की जरूरत पूरी करने में मदद करता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि नमक ज्यादा खाया जाए। अधिक नमक खाने से उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए नमक का इस्तेमाल सीमित मात्रा में करना चाहिए।

आयुष मंत्रालय की मानें तो दूध और दही, दालें, कुछ हरी पत्तेदार सब्जियां, आलू और बीज जैसे तिल, कद्दू के बीज और सूरजमुखी के बीज में भी कुछ मात्रा में आयोडीन पाया जाता है। **(एजेंसी)।**

क्या बच्चों को भी हो सकता है गठिया? जानें जुवेनिइल आर्थराइटिस के लक्षण

गठिया यानी आर्थराइटिस को आमतौर पर बढ़ती उम्र से जुड़ी बीमारी माना जाता है, लेकिन यह बच्चों को भी प्रभावित कर सकती है। बच्चों में होने वाले गठिया के सबसे प्रमुख प्रकारों में से एक है जुवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस जो 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में होने वाला एक प्रकार है। इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली जोड़ों में सूजन पैदा करने लगती है, जिससे दर्द, अकड़न और चलने-फिरने में परेशानी हो सकती है। ऐसे में डॉ. बिमलेश धर पांडे, निदेशक, रूमेटोलॉजी, फोर्टिस, नोएडा बता रहे हैं इसके लक्षण।

बच्चों में गठिया के लक्षण क्या हैं

बच्चों में गठिया के लक्षण अक्सर सामान्य दर्द समझकर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को सुबह उठने पर जोड़ों में अकड़न, घुटनों या टखनों में सूजन, लगातार दर्द, लंगड़ाकर चलना या हाथ-पैर हिलाने में परेशानी हो रही है, तो इन लक्षणों पर ध्यान देना जरूरी है। छोटे बच्चे हमेशा अपने दर्द को शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते। ऐसे में माता-पिता को बच्चे की एक्टिविटी में बदलाव, खेलने में रुचि कम होने या बार-बार गोद में उठाए जाने की मांग जैसे संकेतों पर भी ध्यान देना चाहिए।

बच्चों में गठिया के कारण

बच्चों में गठिया का कोई एक निश्चित कारण नहीं है। जुवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस में आनुवंशिक और प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़े कारक भूमिका निभा सकते हैं। यह जरूरी नहीं कि बच्चे को गठिया केवल परिवार में किसी सदस्य को यह बीमारी होने के कारण ही हो। समय पर पहचान और उपचार बेहद महत्वपूर्ण हैं। यदि जोड़ों में सूजन या अकड़न लंबे समय तक बनी रहती है, तो बाल रोग विशेषज्ञ या पीडियाट्रिक रूमेटोलॉजिस्ट से संपर्क करना जरूरी है। बचाव के लिए बच्चे के लक्षणों, शारीरिक जांच और जरूरत पड़ने पर ब्लड टेस्ट तथा इमेजिंग की मदद ली जाती है। इसके उपचार में दवाएं, फिजियोथेरेपी और नियमित निगरानी शामिल हो सकती हैं। सही समय पर उपचार से सूजन को नियंत्रित करने, जोड़ों को नुकसान से बचाने और बच्चे की सामान्य वृद्धि एवं गतिविधियों को बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं ये आदतें, डॉक्टर ने बताया किन गलतियों से बचें

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर ऐसी आदतों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लेते हैं, जो धीरे-धीरे सेहत को नुकसान पहुंचा सकती हैं। खासकर सुबह के समय हम अक्सर कई ऐसी गलतियां कर देते हैं जो जाने अनजाने हमारे शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकती है।

गैस्ट्रोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ सेठी बता रहे हैं आपको किन गलतियों को करने से बचना चाहिए खासकर सुबह के समय

ये आदतें शरीर को पहुंचा सकती हैं नुकसान

नाश्ते से पहले कॉफी पीना: रात में नींद पूरी न होने के बाद स्ट्रॉन्ग ब्लैक कॉफी पीने से, ग्लूकोज ड्रिंक लेने पर ब्लड शुगर का स्तर लगभग 50% तक बढ़ जाता है। अगर रात में नींद ठीक से नहीं आई है, तो सुबह कॉफी पीने से पहले नाश्ता कर लें। यह खास तौर पर तब जरूरी है जब आप अपना ब्लड शुगर कंट्रोल कर रहे हों।

खाली पेट विटामिन D लेना:



मरीजों पर की गई एक स्टडी में देखा गया कि फैट में घुलने वाले विटामिन D को दिन के सबसे बड़े भोजन (मुख्य भोजन) के साथ लेने पर, 2-3 महीनों के बाद शरीर में इसका स्तर लगभग 57% तक बढ़ गया। विटामिन D को ऐसे भोजन के साथ लें जिसमें कुछ हेल्दी फैट मौजूद हो।

नाश्ते के बाद एसिड रिफ्लक्स की गोली लेना: 'अमेरिकन कॉलेज ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी' के अनुसार, एसिड को बेहतर तरीके से कंट्रोल करने के लिए ज्यादातर PPI (एसिड कम करने वाली दवाएं) भोजन से 30-60 मिनट पहले लेनी चाहिए। अगर आप दिन में एक बार ली जाने वाली सामान्य PPI ले रहे हैं, तो इसे नाश्ते से 30-60 मिनट पहले लें (जब तक कि डॉक्टर ने कुछ और न कहा हो)।

अंडे खाने से पहले टोस्ट खाना: टाइप 2 डायबिटीज वाले 11 वयस्कों पर की गई एक स्टडी में पाया गया कि कार्ब्स (जैसे टोस्ट) से पहले प्रोटीन और सब्जियां खाने से, ब्लड शुगर का स्तर 30 मिनट में 29% और 60 मिनट में 37% तक कम हो गया। सबसे पहले अंडे या प्रोटीन से भरपूर अन्य चीजें खाएं; टोस्ट को सबसे आखिर में खाएं।

कॉफी के साथ थायराइड की गोली लेना: कॉफी, 'लेवोथायरोक्सिन' (थायराइड की दवा) के अवशोषण को काफी कम कर सकती है, जिससे दवा का असर कम हो सकता है। लेवोथायरोक्सिन को खाली पेट, सादे पानी के साथ लें। इसके बाद नाश्ता करने के लिए 30-60 मिनट का इंतजार करें। कॉफी पीने से पहले कम से कम 60 मिनट का गैप रखना सबसे अच्छा है।

बहुत ज़्यादा गर्म चाय या कॉफी पीना: लगभग 50,000 वयस्कों पर की गई एक स्टडी से पता चला है कि रोज़ाना 60°C या उससे ज़्यादा गर्म तापमान पर कम से कम 700 ml चाय पीने से कैंसर का ख़तरा लगभग 90% तक बढ़ सकता है। कुछ भी पीने से पहले, उसे इतना ठंडा होने दें कि वह पीने के लिए आरामदायक तापमान पर आ जाए। **(एजेंसी)।**



राष्ट्रपति मुर्मू ने जारी किया माता हासी देवी के सम्मान में स्मारक सिक्का

राज्यपाल डेका और मुख्यमंत्री साय भी रहे उपस्थित

रायपुर ■ दैनन्दिनी

.राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में पूज्य माता हासी देवी जी के सम्मान में 200 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय उपस्थित थे। पूज्य शदाणी दरबार रायपुर की 5 वीं पीठाधीश माता साहिब हासी देवी की 200 वीं जयंती पर भारत सरकार वित्त मंत्रालय द्वारा 200 रुपए का स्मारक सिक्का जारी किया गया है। सिंधी विभूति के सम्मान में स्मारक सिक्का जारी होना समाज के लिए ऐतिहासिक मौका था।

यह देश-विदेश में रहने वाले करोड़ों सिंधी लोगों के लिए गर्व का विषय है। स्मारक सिक्के का अनावरण होने के बाद श्रद्धालु और सिक्का संग्राहक इसे शदाणी दरबार की अलग-अलग इकाइयों के माध्यम से बुक कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा जारी इस विशेष सिक्के पर पूज्य माता हासी देवी जी की छवि अंकित है। सिक्के के एक ओर अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष और 200 रुपये का मूल्यवर्ग दर्शाया गया है। इस स्मारक सिक्के के माध्यम से उनके जीवन, विचारों और आध्यात्मिक योगदान को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन पूज्य शदाणी दरबार रायपुर के पीठाधीश संत डॉ. युधिष्ठिर लाल जी ने दिया। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, श्री सुनील सोनी, श्री मोतीलाल साहू, मुख्य सचिव श्री विकासशील, पुलिस महानिदेशक श्री अरूण देव गौतम, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना सहित वरिष्ठ अधिकारी, पूज्य शदाणी दरबार के सदस्य सहित देशभर से आए हुए जनप्रतिनिधि और सिंधी समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।



राजधानी में राष्ट्रपति का आत्मीय स्वागत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंच चुकीं हैं। रायपुर एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उनका स्वागत किया। इस दौरान राज्यपाल रमेन डेका, मंत्री विजय शर्मा, मंत्री खुशवंत साहेब, मंत्री राजेश अग्रवाल, मंत्री ओपी चौधरी, मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और सांसद विजय बघेल मौजूद रहे।

शाम 4 बजे राष्ट्रपति रायपुर के इंडोर स्टेडियम में नुआखाई पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। राष्ट्रपति अपने दौरे के दूसरे दिन बस्तर प्रवास पर रहेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, वे सुबह 11 बजे जगदलपुर स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। इसके बाद दोपहर 12:45 बजे मुरिया दरबार एवं बस्तर दशहरा के अवसर पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होंगी।



कांग्रेस ने निकाली साइकिल-बाइक रैली मुख्य चुनाव आयुक्त से मांगा इस्तीफा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी रायपुर में गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में साइकिल और बाइक रैली निकाली गई। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और बर्खास्तगी की मांग को लेकर यह विरोध प्रदर्शन किया।

रैली में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 'वोट चोर, गद्दी छोड़' के नारे लगाते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। यह रैली अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार आयोजित की गई। रायपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में निकली रैली में पूर्व विधायक विकास उपाध्याय सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, ब्लॉक अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस की साइकिल और बाइक रैली की शुरुआत आजाद चौक स्थित गांधी प्रतिमा से हुई। शहर के विभिन्न स्थानों से होते हुए रैली अंबेडकर अस्पताल तक पहुंची। पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों के साथ विभिन्न ब्लॉकों के अध्यक्ष, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय और अन्य कांग्रेस नेता मौजूद रहे। पार्टी कार्यकर्ताओं ने साइकिल और बाइक के



रैली में शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी और इस्तीफे की मांग उठाई गई। रैली माध्यम से रैली निकालकर अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया। कांग्रेस का यह प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और बर्खास्तगी की मांग को लेकर आयोजित किया गया।



माटी में रोजगार- प्रतिदिन 300 रुपए की मजदूरी से श्रमिक परिवारों को मिला मजबूत आर्थिक आधार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में आजीविका संवर्धन और आधारभूत संरचना के सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित 'वीबी-जी राम जी योजना' धमतरी जिले के गाँवों की दिशा और दशा बदलने में मील का पत्थर साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से जहाँ एक ओर जल संरक्षण और स्वच्छता जैसे बुनियादी ढाँचों का विस्तार हो रहा है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय श्रमिकों को उनके गाँव में ही नियमित आजीविका उपलब्ध कराकर आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है।

वर्षा जल के संचयन और भू-जल पुनर्भरण में अभूतपूर्व सुधार

धमतरी जिले के चारों विकासखंडों, धमतरी, कुरुद, मगरलोड और नगरी में योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आजीविका डबरी, निजी एवं सामुदायिक तालाबों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे वर्षा जल के संचयन और भू-जल पुनर्भरण में अभूतपूर्व सुधार आया है। इसके साथ ही जल स्रोतों में सैंड फिल्टर के निर्माण से ग्रामीणों को स्वच्छ जल प्रबंधन की सुविधा मिल रही है। गाँवों में स्वच्छता और गरिमा को प्राथमिकता देते हुए छात्राओं की सुविधा के लिए बालिका शौचालयों का निर्माण कराया गया है, जबकि जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नालियों की सफाई और गहरीकरण का कार्य निरंतर जारी है। इसके अलावा, ग्रामीणों को आवश्यक सामुदायिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए गाँव-गाँव में मुक्तिधाम शेड का निर्माण भी किया जा रहा है।

श्रमिकों को नियमित मिल रहा है काम

वीबी-जी राम जी योजना ने ग्रामीण श्रमिक परिवारों के जीवन में स्थायित्व ला दिया है। विभिन्न निर्माण कार्यों में स्थानीय श्रमिकों को नियोजित किए जाने से उन्हें अपने क्षेत्र में ही नियमित काम मिल रहा है, जिससे काम की तलाश में दूसरे राज्यों या शहरों में होने वाले पलायन पर काफी हद तक अंकुश लगा है।

योजना के अंतर्गत प्रतिदिन 300 रुपए की निर्धारित मजदूरी मिलने और नियमानुसार उसका समय पर भुगतान होने से श्रमिक परिवार अपने दैनिक खर्चों और बच्चों की आवश्यकताओं को सहजता से पूरा कर पा रहे हैं। इस प्रकार यह योजना रोजगार और ग्रामीण विकास को एक साथ जोड़ते हुए गाँवों में टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण कर रही है।

परिसंपत्तियों का निर्माण और स्थानीय स्तर पर आजीविका का सृजन करना है

जिला पंचायत धमतरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोगी परिसंपत्तियों का निर्माण और स्थानीय स्तर पर आजीविका का सृजन करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्रामीण विकास के कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, ताकि निर्मित परिसंपत्तियों का दीर्घकालिक लाभ ग्रामीणों को मिल सके। जिले में संचालित सभी विकास कार्यों की प्रगति पर प्रशासनिक निगरानी रखी जा रही है, ताकि स्वीकृति के अनुरूप कार्य निर्धारित मानकों पर पूरे हों और श्रमिकों को उनकी मजदूरी का भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जा सके। वर्तमान में रोजगार प्राप्त कर रहे श्रमिकों के साथ-साथ भविष्य में इन स्थायी सुविधाओं का उपयोग करने वाले ग्रामीण परिवारों के लिए यह योजना वरदान सिद्ध हो रही है। धमतरी जिले में वीबी-जी राम जी योजना का प्रभावी क्रियान्वयन ग्रामीण स्वावलंबन और समावेशी विकास का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभर रहा है।



बिना रेरा पंजीकरण भूखंडों की बिक्री, सालासार विहार के प्रमोटर पर 25 लाख का जुर्माना

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और भूखंड व आवास खरीदारों के हितों की सुरक्षा के लिए छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रमोटरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में प्राधिकरण ने रायपुर जिले के आरंग स्थित 'सालासार विहार' परियोजना में बिना रेरा पंजीकरण के भूखंडों की बिक्री करने के मामले में प्रमोटर राजीव सोनी (पिता के.एल. सोनी) पर 25 लाख रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया है। प्राधिकरण द्वारा प्रकरण में प्रस्तुत दस्तावेजों एवं उपलब्ध तथ्यों के परीक्षण में पाया गया कि सालासार विहार परियोजना के अंतर्गत भूमि का भूखंडों में विभाजन कर रेरा पंजीकरण प्राप्त किए बिना भूखंडों का विक्रय किया गया। यह कृत्य भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 3 के प्रावधानों का उल्लंघन है। प्राधिकरण ने इस उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए अधिनियम की धारा 59 के अंतर्गत परियोजना की अनुमानित लागत के आधार पर प्रमोटर पर 25 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है।

रेरा पंजीकरण के बिना भूखंडों की बिक्री अधिनियम का उल्लंघन-भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 के अंतर्गत निर्धारित श्रेणी की रियल एस्टेट परियोजनाओं का रेरा में पंजीकरण कराना अनिवार्य है। ऐसी परियोजनाओं में पंजीकरण प्राप्त किए बिना भूखंडों अथवा अन्य संपत्तियों का विज्ञापन, विपणन या विक्रय करना अधिनियम के प्रावधानों के विरुद्ध है। इन प्रावधानों का उद्देश्य संपत्ति खरीदारों को परियोजना की वैधानिक स्थिति, विकास संबंधी जानकारी और अन्य आवश्यक विवरण उपलब्ध कराना तथा उनके हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। प्राधिकरण की यह कार्रवाई स्पष्ट करती है कि रियल एस्टेट परियोजनाओं के विकास और विक्रय में निर्धारित नियमों का पालन आवश्यक है। बिना पंजीकरण परियोजनाओं का संचालन करने वाले प्रमोटरों के विरुद्ध अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।

भूखंड खरीदने से पहले रेरा पंजीकरण की जांच करने की अपील

छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण ने आम नागरिकों एवं संपत्ति खरीदारों से अपील की है कि किसी भी आवासीय अथवा भूखंड परियोजना में निवेश करने से पहले संबंधित परियोजना की रेरा पंजीकरण स्थिति की जांच अवश्य करें। खरीदार परियोजना का पंजीकरण क्रमांक, प्रमोटर का विवरण तथा अन्य आवश्यक जानकारियों का सत्यापन करें, ताकि भविष्य में संभावित विवादों एवं आर्थिक नुकसान से बचा जा सके। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकता है। साथ ही भूखंड एवं आवास खरीदारों के अधिकारों की रक्षा तथा सुरक्षित एवं विश्वसनीय संपत्ति लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए प्राधिकरण प्रतिबद्ध है। आमजन छत्तीसगढ़ रेरा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर परियोजनाओं के पंजीकरण संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

धान खरीदी पर सियासत: भूपेश बघेल ने सरकार को घेरा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने धान खरीदी के मुद्दे पर कहा कि सरकार धान खरीदी की व्यवस्था नहीं कर पा रही है. उन्होंने 1 नवंबर से धान खरीदी शुरू होने की वकालत करते हुए सवाल किया कि क्या सरकार समय पर धान नहीं खरीदना चाहती? सरकार को इस मुद्दे पर जवाब देना चाहिए. पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दशहरा के बाद पहली बार मीडिया से रू-ब-रु हुए. छत्तीसगढ़ पीएससी परीक्षा में पारदर्शिता नहीं होने का आरोप लगाया है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जीरो टोरलेन्स की दावे वाली सरकार में गड़बड़ी हुई है. इस मामले की जाँच क्यों नहीं हो रही है? सरकार में बैठे लोग परीक्षा पास करवा रहे हैं. अभ्यर्थियों को उत्तर पुस्तिका देनी चाहिए. अब तक पीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं होना भी सवालों के घेरे में है. 2024 पीएससी की परीक्षा रद्द होनी चाहिए. सीबीआई से मामले की जाँच करानी चाहिए.

बीटीआई ग्राउंड में कॉम्लेक्स बनाना बेहद गलत-पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर के लोगों को ट्रैफिक के नाम प्रताड़ित करने की बात कही. उन्होंने कहा कि राजधानी में मंत्री और अधिकारी दो-दो बंगले रखे हुए हैं.

महतारी वंदन के हितग्राहियों से हो रही वसूली

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसके साथ महतारी वंदन के हितग्राहियों से वसूली का आरोप लगाते हुए कहा कि महतारी वंदन में हितग्राहियों की संख्या 70 लाख से घटकर 68 लाख हुई, जबकि पात्र हितग्राहियों की संख्या बढ़नी चाहिए. वहीं त्योहार पर महंगाई की मार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जनता महंगाई से त्रस्त है. प्रधानमंत्री मोदी महंगाई कम कर पाने में नाकाम साबित हुए हैं. प्रधानमंत्री तेल बचाने की नसीहत देते, लेकिन जन्मदिन पर लाखों दीया जलवाते हैं.

चोर गिरोह ने मचाया उत्पात

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राजधानी के हीरापुर इलाके में बड़ी चोरी की घटना सामने आई है. अमरनाथ इस्पात फैक्ट्री में रात में घुसे चोर गिरोह ने चौकीदार को बंधक बनाकर को बांधकर बेदम पिटाई की, जिसके बाद करीब 800 किलो कॉपर वायर काटकर फरार हो गए. चोर कापर वायर के साथ फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी कैमरे समेत डीवीआर भी लेकर फरार हो गए. चोरी किए गए वायर की



लाखों की चोरी को अंजाम दिया है. मामला कबीर नगर थाना इलाके का है, जहां अमरनाथ इस्पात फैक्ट्री में रात करीबन डेढ़ बजे घुसे चोरों ने पहले चौकीदार कीमत करीब 10-12 लाख रुपए आंकी गई है. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौका मुआयना करने के साथ अपनी जांच शुरू कर दी है.

जंगल सफारी में 25 वर्षीय मादा हिमालयन भालू 'फफोरी' की मौत

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ राज्य के नवा रायपुर स्थित नंदनवन जू एवं जंगल सफारी से एक दुखद खबर सामने आई है। यहाँ रह रही 25 वर्षीय मादा हिमालयन भालू 'फफोरी' की 19 अक्टूबर 2026 की मध्यरात्रि में मौत हो गई। सफारी प्रबंधन के अनुसार, उसकी मृत्यु का कारण वृद्धावस्था (बढ़ती उम्र) है।

गुवाहाटी से लाई गई थी फफोरी-जंगल सफारी प्रबंधन से मिली जानकारी के मुताबिक, फफोरी को वर्ष 2012 में वन्यप्राणी आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत असम राज्य के चिड़ियाघर, गुवाहाटी से 12 वर्ष की उम्र में रायपुर लाया गया था, तब से वह यहीं रह रही थी।

राजकीय और विधिवत सम्मान के साथ अंतिम संस्कार-नंदनवन जू के हिमालयन भालू बाड़े में फफोरी की मृत्यु के पश्चात वन्यप्राणी चिकित्साधिकारी द्वारा नियमानुसार उसका पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद सफारी प्रबंधन और वन्यजीवों की देखभाल से जुड़े कर्मचारियों की उपस्थिति में उसे श्रद्धांजलि अर्पित कर विधिवत अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान नंदनवन जू एवं जंगल सफारी के संचालक सह-वनमंडलाधिकारी श्री पंकज राजपूत, सहायक संचालक सहित वन विभाग के तमाम अधिकारी-कर्मचारी, पशुपालक और सुरक्षा कर्मचारी मौजूद रहे। फफोरी के निधन पर जंगल सफारी प्रबंधन और उसकी देखरेख करने वाले कर्मचारियों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। नंदनवन जू एवं जंगल सफारी प्रबंधन का कहना है कि वे वन्यजीवों की नियमित देखभाल, स्वास्थ्य निगरानी और उनके संरक्षण के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाती हैं।



:- संपादकीय :-

बच्चे और इंटरनेट

ऐसे दौर में जब आस्ट्रेलिया-फ्रांस व अन्य विकसित देशों में सोशल मीडिया तक बच्चों की पहुंच सीमित करने के कानून बने हैं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बच्चों की इंटरनेट तक पहुंच उनका मौलिक अधिकार है। इस पर प्रतिबंध लगाना अनुचित है। कोर्ट ने माना कि इंटरनेट तक पहुंच और इस्तेमाल करने का अधिकार, संविधान के अनुच्छेद 21 के साथ-साथ अनुच्छेद 19(1) (ए) के तहत निर्धारित ह्यवाक? और अभिव्यक्ति की आजादी ह्न में ही निहित है। दरअसल, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी चंद्रन की पीठ इंटरनेट के जरिये बच्चों के शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री का पता लगाने और उसे हटाने के उपायों पर विमर्श कर रही थी। इसी बीच कई देशों द्वारा एक निर्धारित उम्र तक के बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच सीमित करने का मामला सामने आया। भारत में भी इस तरह के प्रतिबंध लगाने की मांग की जा रही है। अदालत का मानना था कि हम बच्चों से जुड़ी ऐसी चिंताओं को स्वीकार करते हैं, लेकिन इंटरनेट पर प्रतिबंध इसका न्यायोचित विकल्प नहीं है। शीर्ष अदालत ने माना कि इस माध्यम से बच्चों को दूर रखकर हम उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते। अदालत का तर्क था कि बच्चों की आजादी और सुरक्षा एक दूसरे के खिलाफ नहीं है, बल्कि उन्हें दोनों ही चीजें मिलनी चाहिए। अदालत का मानना था कि नई पीढ़ी के बच्चों के लिये इंटरनेट सीखने का माध्यम भी है। दूरदराज के इलाकों में जानकारी पाने का एकमात्र जरिया होता है ह्यवहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का गंभीरता से संज्ञान लिया कि देश में नाबालिगों से जुड़ी अश्लील सामग्री रोकने में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लापरवाही दिखा रहे हैं। अदालत का मानना था कि सभी हितधारक यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को हानि पहुंचाने वाली कोई भी सामग्री प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से उपलब्ध न हो सके। यह सामग्री न अपलोड की जाए और न ही उसे प्रोत्साहन दिया जाए। कोर्ट ने इस बात को लेकर भी नाराजगी जतायी कि मध्यस्थों व सोशल मीडिया मंचों ने वर्ष 2024 में जारी किए गए कोर्ट के निदेर्शों का ईमानदारी से पालन नहीं किया। साथ ही पीठ का मानना था कि आज इंटरनेट शिक्षा, सूचना और सामाजिक भागीदारी का एक सशक्त माध्यम बना है। ऐसे में यदि प्रतिबंध लगाए जाते हैं तो वे निष्प्रभावी होंगे, बल्कि नुकसान पहुंचाने वाले भी हो सकते हैं। इसका नुकसान यह हो सकता है कि बच्चे ऐसी ऑनलाइन जगहों को सर्च करना शुरू कर सकते हैं, जो नियम-कानून कम होने की वजह से ज्यादा घातक हो सकती हैं। ?यह भी स्पष्ट किया गया कि उसकी टिप्पणी का यह अर्थ नहीं निकाला जाए कि उम्र के आधार पर कोई पाबंदी नहीं होनी चाहिए।

महिला खिलाड़ियों के लिए बने मजबूत खेल नीति

ललित गर्ग ।

बड़ी आबादी को खेल के दायरे में लाकर उनमें से प्रतिस्पर्धा के लिए खिलाड़ियों का चुनाव करते हैं। हमारे देश में आबादी का 5 प्रतिशत भी खेलों में भागीदार नहीं क्योंकि यहां खेलों के सामाजिक-आर्थिक पहलुओं की उपेक्षा हुई है। खेलों पर विमर्श भी ले-देकर तकनीकी पहलुओं तक ही सिमटा है। खेल समाजशास्त्र ज्यादातर शारीरिक शिक्षा विभागों में विषय ही नहीं है। खेल बजट पर कोई बहस नहीं होती।असल में हमें एक राष्ट्र के रूप में ऐसी खेल-व्यवस्था के निर्माण की जरूरत है, जो निरंतर पदक जीतते रहने का आधार बने। अक्तूबर 2023 के वांगझाऊ (चीन) एशियाई खेलों में हमारे देश की मेडल संख्या 107 थी, जो 2026 में घटकर 85 हो गई।आजकल मेडल विजेता युवतियों को जो सम्मान दिया जाता है, उससे राज्य के गिरते लिंगानुपात पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। महिला खेल गतिविधियों पर ज्यादा से ज्यादा बजट लगाने की जरूरत है।खेल के मैदान, कोचिंग सुविधा और खेल का सामान पंचायत स्तर पर उपलब्ध करवाया जाए। हालांकि जिस क्षेत्र में जिस खेल की ज्यादा प्रतिभा नजर आए, उस पर अवश्य ध्यान दिया जाए। अच्छी खेल सुविधाएं शहरों तक सीमित हैं परंतु खेलों में तुलनात्मक रूप से ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी ज्यादा है। अतः खेल सुविधाओं का ढांचा उनके आसपास उपलब्ध करवाना महिला खेल नीति का सरोकार हो।



हालिया एशियाई खेलों में हरियाणा की महिला खिलाड़ियों का प्रदर्शन दमदार रहा जो उनके मजबूत इरादों और सामाजिक समर्थन का सबूत कहा जाएगा। इस दिशा में परिणाम और बेहतर हों इसके लिए महिला-केंद्रित खेल नीति चाहिए। वहीं देहात में खेल सुविधाएं बढ़ाने और लोकप्रिय खेल-संस्कृति के विकास की जरूरत है।जापान के आयाची नागोया में हाल ही में संपन्न हुए बीसवें एशियाई खेलों में हरियाणा की महिला खिलाड़ियों द्वारा जीते गए ढेर सारे मेडल प्रमाण हैं कि पिछले दिनों खेल जगत में सामने आई संस्थागत यौन शोषण की घटनाओं के बावजूद उनके हौसले बुलंद हैं। यह इसलिए संभव हो पाया कि प्रदेश की सिविल सोसायटी अपनी बेटियों के न्याय के संघर्ष में साथ खड़ी रही। चाहे वह कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण का मामला हो या प्रदेश के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह का, या फिर सिस्टम का रवैया।गर्व व खुशी का विषय है कि हमने बेटियों के खेल कैरियर को प्रतिक्रियावादी ताकतों की बलि नहीं चढ़ने दिया। उल्लेखनीय है कि 2026 एशियाई खेलों में हरियाणा ने कुल 32 पदकों का योगदान किया, जिनमें 14 स्वर्ण, 9 रजत तथा 9 कांस्य पदक शामिल हैं। इन 14 स्वर्ण में से 8 सिर्फ महिलाओं ने जीते, जिनमें दो व्यक्तिगत तथा 6 टीम गेम में जीते गए। यह सराहनीय उपलब्धि है। गौर करने लायक है कि हरियाणा की बेटियों की प्रतिभा-प्रदर्शन का दायरा भी निरंतर बढ़ रहा है। अब वे केवल कुश्ती, बॉक्सिंग या कबड्डी आदि ताकत-आधारित खेलों में ही जीत हासिल नहीं कर रही हैं, बल्कि मानसिक स्थिरता, एकाग्रता, प्रतिक्रिया नियंत्रण, सटीकता आदि की जरूरत वाले खेलों, जैसे तीरंदाजी, निशानेबाजी, स्केट्स, एमएमए, गोल्फ और क्रिकेट में भी धाक जमा रही हैं। इसका अर्थ है कि अब बेटियों को मजबूत बनाओ, खेल-कूद में आगे लाओ आदि महिला आंदोलन द्वारा गढ़े गए नारों का महत्व अभिभावक समझ रहे हैं। वहीं अब केंद्र सरकार के नारे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और बेटी खिलाओ को चरितार्थ करने की जरूरत है।इन नारों को चरितार्थ करने का मतलब है कि एक महिला खेल नीति बनाई जाए, जिसका सरोकार महिला खिलाड़ियों के आसपास विभिन्न स्तरीय खेल सुविधाओं का निर्माण करना हो। क्योंकि खेल लड़कियों के जीवन में मनोरंजनकारी व स्वास्थ्यवर्धन की गतिविधि ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास-वर्धन की गतिविधि भी हैं। आजकल मेडल विजेता युवतियों को जो सम्मान दिया जाता है, उससे राज्य के गिरते लिंगानुपात पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। महिला खेल गतिविधियों पर ज्यादा से ज्यादा बजट लगाने की जरूरत है।खेल के मैदान, कोचिंग सुविधा और खेल का सामान पंचायत स्तर पर उपलब्ध करवाया जाए। हालांकि जिस क्षेत्र में जिस खेल की ज्यादा प्रतिभा नजर आए, उस पर अवश्य ध्यान दिया जाए। अच्छी खेल सुविधाएं शहरों तक सीमित हैं परंतु खेलों में तुलनात्मक रूप से ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी ज्यादा है। अतः खेल सुविधाओं का ढांचा उनके आसपास उपलब्ध करवाना महिला खेल नीति का सरोकार हो। कुछ गांवों में खेल स्टेडियम हैं, मगर कोच, ग्राउंडमैन आदि नियुक्त नहीं।दूसरी तरफ, अगर हम पिछले यानी 2023 के एशियाई खेलों में जीते गए मेडल और अभी 2026 में हमारे देश द्वारा जीते गए मेडल (107: 85) की तुलना करें, तो हमारी जीत में भारी गिरावट दर्ज होती है। इससे हमें कुछ सबक सीखने की जरूरत है। हमें अपने खेल के नजरिए में आमूल-चूल परिवर्तन की जरूरत है।अभी हमारा पूरा जोर कुछ प्रतिभावान खिलाड़ियों को छांटकर खेल आयोजनों से ठीक पहले उन्हें प्रशिक्षित करने पर है। जबकि दुनिया में खेल शक्ति के रूप में उभर रहे देशों का अनुभव लोकप्रिय खेल-संस्कृति निर्मित करने पर है, जहां खेलों के केंद्र में स्वस्थ नागरिक समाज का निर्माण है, न कि मेडल जीतना। वे हर आयुवर्ग के अनुसार खेल का मूलभूत ढांचा खड़ा करना, जिसमें खेल मैदान, कोचिंग, खेल-सामान आदि का प्रबंधन शामिल है। कुल 22 मेडल कम होना, वह भी एशिया में, यह प्रदर्शन संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। इस डांवाडोल प्रदर्शन का गंभीर विश्लेषण जरूरी है। ओलंपिक आयोजन तो दूर की कौड़ी है। एशिया में हमारे देश की तुलना तो चीन से हो सकती है, जो हमारे देश के आसपास ही आजाद हुआ और लगभग समान आबादी है। उसके तो 2026 एशियाई खेलों में 341 मेडल हैं, जिनमें स्वर्ण 169, रजत 89 व कांस्य 83 हैं। आखिर हम कब अपने खेल विकास विजन, नियोजन आदि पर सोचने को तैयार होंगे? नागरिक समाज के लिए यहां भी हस्तक्षेप की दरकार है। युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर भी लोकप्रिय खेल-संस्कृति अंकुश लगा सकती है। इसी प्रकार विशिष्ट खिलाड़ियों द्वारा खेल सुविधाओं का निरंतर सोशल ऑडिट किया जाना चाहिए। आखिर हम लाखन माजरा के हार्दिक राठी व बहादुरगढ़ के अमन की बास्केटबॉल खेल मैदान पर हुई मौत को कैसे भूल सकते हैं? अभी गुड़गांव में एक और बास्केटबॉल खिलाड़ी जीवन और मौत से जूझ रहा है। ऐसे में रोहतक के रूड़की गांव की खिलाड़ी प्रवीण हुड्डा द्वारा हालिया एशियाई खेलों में जीता स्वर्ण पदक दिवंगत खिलाड़ी हार्दिक राठी की याद में समर्पित करना सराहनीय है। नहीं भूलना चाहिए कि हमारे सामने सिर उठाए खड़ी जाति, धर्म, संप्रदायवादी, इंसानी सौहार्द तोड़क ताकतों का मुकाबला भी स्वस्थ खेल-संस्कृति के विकास से ही करना है। खेलों में इंसानी सद्भाव को विस्तृत करने की बेजोड़ ताकत है।

राशिफल

मेष राशिः आज आपके लिए दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। व्यापारियों को व्यापार से रिलेटेड यात्रा होने के योग हैं। इस यात्रा से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप धन की बचत करने में कामयाब रहेंगे।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने प्रियजनों और परिवार के बड़ों से सलाह लेकर ही कोई व्यवसाय से संबंधित निर्णय लेंगे। किसी तरह के पैसों के लेन-देन में आज आपको सावधानी बरतने की जरूरत है।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को व्यापार में बड़े लाभ की उम्मीद है। नई व्यापारिक योजनाएं बनाने में कामयाब रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी कोई इच्छा पूरा होने से पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। आप उच्च शिक्षा के लिए हाई प्रोफाइल संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में किसी शुभ कार्य पर आप धन खर्च करेंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन लकी रहने वाला है। आप व्यापार शुरू करने का मन बनाएंगे, जिसमे परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, आज किसी प्रकार की बिजनेस डील हो सकती है। जिससे आप बहुत खुश होंगे। घर के कार्यों में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। लवमेट्स के बीच चल रही अनबन आज समाप्त होगी।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आपके लिए आज का दिन बढि?या रहेगा। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आज आपके व्यापार में उन्नति होने के योग बने हुये है। किसी पारिवारिक समस्या का आज समाधान निकालने में सफल होंगे, परिवार के सदस्यों में ताल-मेल बढ़ेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए आज आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सफलता मिलने के योग है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा। आपको अपने कुछ पुराने मित्रों से मेल-जोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र क्षेत्र में दी गई जिम्मेदारियों को आज आप बखूबी निभाएंगे। अपने सीनियर्स के साथ कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपको किसी प्रकार के लेन-देन के मामले में स्पष्टता रखनी होगी। संतान के करियर में विशेष उपलब्धि मिलने से आपको खुशी मिलेगी। काफी दिनों से स्टार्टअप शुरू करने का प्लान पूरा करने में कामयाब रहेंगे। आज आप एक अच्छे टीम लीडर साबित होंगे। आज आपको किसी भी बात को लेकर बहुत अधिक सोच-विचार करने से बचना होगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को कोई अच्छी उपलब्धि मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का ऑफर आयेगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपको नौकरी से रिलेटेड कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा। जिसकी आपको प्रतीक्षा थी। जीवनसाथी की ओर से कोई उपहार मिलने से पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप परिवार के साथ कहीं यात्रा पर जाएंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी दोस्त की मदद से अच्छी जॉब मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को समाज में मान-सम्मान प्राप्त होगा।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। कार्य स्थल पर आपके काम की सराहना होगी। मीडिया और जन संचार से जुड़े लोगों को उनके काम के लिए प्रसिद्धि मिलेगी। अगर आप लेखक है और कोई किताब लिखना चाह रहे हैं तो समय अनुकूल है। सेहत के मामले में आज आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आप धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। छात्रों को सफलता मिलने के योग बने हुए है,

बाएं से दाएं :
1. व्रत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, बंदी, कैद की सजा पाने वाला 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. प्रज्वलित जाना, बेइज्जती होना 11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 12. पर्व, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. शिवदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे
1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकर बैर-विरोध, अनब का एक फल 11. बादल, मेघ 13 होशियार 14. जि मिलता हो, 15. वस्तु आदि मिलने दंगा-फसाद, उप बचाव, सुरक्षा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 1

ग	ल	त			
णे		ल		झ	प
श	र	ब	त		
	ज	गा	ना		
	नी	र		वि	
ना	च			प	

नजरिया

- धनंजय राठौर
संयुक्त संचालक, जनसंपर्क रायपुर

रेल नेटवर्क के विस्तार से बदल रही छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी

छत्तीसगढ़ में नई रेल लाइनों के साथ मौजूदा नेटवर्क और स्टेशनों को आधुनिक बनाने पर भी काम किया जा रहा है। राज्य सरकार के अनुसार, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशनों को करीब 1,680 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य यात्रियों के लिए सुविधाएं बेहतर करना और स्टेशन परिसरों को अधिक व्यवस्थित बनाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में रेल अधोसंरचना का व्यापक आधुनिकीकरण हो रहा है और इसका प्रत्यक्ष लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के चांपा, बालोद एवं सरोना रेलवे स्टेशनों का प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल लोकार्पण प्रदेश के रेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस जनहितकारी पहल के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रेलवे केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का सशक्त आधार है। चांपा, बालोद और सरोना जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों के उन्नयन से व्यापार, पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। इससे लोगों के लिए आवागमन अधिक सुगम होगा और रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।



छत्तीसगढ़ में आधारभूत रेल अधोसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है, जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक नागरिक तक पहुंच रहा है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित रेलवे स्टेशनों के विकसित होने से यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। बेहतर प्रतीक्षालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, स्वच्छ परिसर, आधुनिक यात्री सुविधाएं तथा उन्नत अधोसंरचना से आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं उपलब्ध होंगी।प्रदेश में 51 हजार 80 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम जारी- देश के प्रमुख औद्योगिक और खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क का विस्तार अब राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की जरूरतों से जुड़ रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 51,080 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। छत्तीसगढ़ मध्य भारत का महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स केंद्र है। ऐसे में मजबूत रेल नेटवर्क प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। रेलवे के विकास से उद्योगों की परिवहन लागत कम होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध होंगे तथा युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री श्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। प्रदेश में नई रेल परियोजनाओं, दोहरीकरण, विद्युतीकरण तथा आधुनिक रेलवे सुविधाओं के विस्तार से विकास को नई दिशा मिल रही है। यह परिवर्तन विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास से छत्तीसगढ़ में रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य के रेलवे बजट का आवंटन बढ़ाकर 7,470 करोड़ रुपये कर दिया है जो वर्ष 2009-14 के दौरान औसतन 311 करोड़ रुपये सालाना था। इस तरह वार्षिक औसत आवंटन में करीब 24 गुना वृद्धि हुई है। इस निवेश का प्रमुख उद्देश्य व्यस्त रेल मार्गों पर दबाव कम करना, खनिज और औद्योगिक माल की आवाजाही बढ़ाना तथा उन क्षेत्रों तक रेल संपर्क पहुंचाना है, जहां अब तक कनेक्टिविटी सीमित रही है।राष्ट्रीय माल ढुलाई को मिलेगा वैकल्पिक रेल मार्ग- छत्तीसगढ़ की रेल रणनीति में खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा रेल कॉरिडोर महत्वपूर्ण है। करीब 278 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अप्रैल 2025 में मंजूर दी थी। तब इस परियोजना की लागत 8,741 करोड़ रुपये अनुमानित थी। बाद में इसमें संशोधन किया गया और इसकी अनुमानित लागत 7,854 करोड़ रुपये कर दी गई। इस परियोजना का उद्देश्य बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग के व्यस्त रेल खंडों को बाईपास कर माल और यात्री ट्रेनों के लिए अतिरिक्त रेल लाईन बिछाना है। इस कॉरिडोर से कोलकाता-मुंबई रेल मार्ग पर परिचालन का दबाव कम करने और बलौदाबाजार सहित नए औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क देने की योजना है। इससे कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट और बिजली उत्पादन से जुड़े उद्योगों के लिए माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी और सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।साथ ही, मालगाड़ियों की आवाजाही सुगम होने से औद्योगिक इकाइयों को बाजारों तथा बंदरगाहों तक आसानी से पहुंचने में मदद मिलेगी। बस्तर की कनेक्टिविटी होगी मजबूत रेल नेटवर्क के विस्तार का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू बस्तर की कनेक्टिविटी है। रावघाट-जगदलपुर (140 किमी)की महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है। जबकि किरंदुल-कोत्तागुडेम (180 किमी) तथा गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल (बचेली) की 490 किलोमीटर नई रेल लाइन परियोजना का सर्वे कार्य प्रगति पर। दल्लीराजहरा-रावघाट रेल परियोजना के तहत दल्लीराजहरा से अंतागढ़ (77 किमी) तक रेल सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। इस रेलखंड पर यात्री रेल सेवा प्रारंभ होने से हजारों ग्रामीण पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़े हैं। इस परियोजना के अगले चरण में रावघाट तक संपर्क विकसित करने का काम चल रहा है। परियोजना पूरी होने पर रावघाट की लौह अयस्क खदानें सीधे भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़ जाएंगी, जिससे उद्योगों और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को नई मजबूती मिलेगी। वहीं कोत्तावलसा-किरंदुल रेल लाइन के दोहरीकरण से बस्तर क्षेत्र में माल एवं यात्री परिवहन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।कटघोरा से डोंगरगढ़ तक नए संपर्क की योजना- प्रस्तावित कटघोरा-डोंगरगढ़ रेल लाइन की लंबाई करीब 295 किलोमीटर है। यह मार्ग कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक प्रस्तावित है। परियोजना को रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से विकसित करने की योजना है। इसके लिए स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) गठित करने का प्रस्ताव है। इस रेल लाइन का महत्व उन क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने में है, जहां अभी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है या सीमित है। इससे यात्रियों की आवाजाही, कृषि उत्पादों के परिवहन, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की संभावना है। उत्तर छत्तीसगढ़ के लिए भी नई परियोजनाएंसरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर (244 किलोमीटर), धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा (301 किलोमीटर) और अंबिकापुर-बरवाडीह (200 किलोमीटर) रेल कॉरिडोर को भी रेल मंत्रालय द्वारा जल्दी ही मंजूर किए जाने की संभावना है। अगस्त 2026 में इन प्रस्तावों पर जल्दी निर्णय और सर्वेक्षण की प्रक्रिया तेज करने का मुद्दा उठाया गया था। इन परियोजनाओं से उत्तर छत्तीसगढ़ सहित सीमावर्ती क्षेत्रों की रेल संपर्क व्यवस्था मजबूती होगी तथा व्यापार, पर्यटन, खनिज परिवहन और स्थानीय रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

स्टेशनों का आधुनिकीकरण मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रेलवे केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का सशक्त आधार है।

चांपा, बालोद और सरोना जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों के उन्नयन से व्यापार, पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। इससे लोगों के लिए आवागमन अधिक सुगम होगा और रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा 24 को निकालेगी विशाल एकता रैली



राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा द्वारा 24 अक्टूबर (शनिवार) को राजनांदगांव शहर में भव्य स्तर पर विजयादशमी समारोह का आयोजन किया जा रहा है. इस अवसर पर समाज की एकजुटता प्रदर्शित करने के उद्देश्य से दोपहर 3 बजे से एक विशाल एकता रैली निकाली जाएगी, जिसमें राजपूत समाज की क्षत्राणी महिलाएं भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगी.

नगाड़ा वादन के साथ निकलेगी स्कूटर और कार रैली

प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कार्यक्रम की जानकारी देते हुए समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि नगाड़ा वादन के साथ विधानसभा अध्यक्ष निवास से महाराणा प्रताप भवन तक निकलने वाली इस भव्य रैली में जिले की सांसद संतोष पाण्डे, महापौर मधुसूदन यादव व पूर्व सांसद अभिषेक सिंह विशेष तौर पर शामिल रहेंगे. शहर के कैलाश नगर क्षेत्र से होकर लखोली नाका चौक, गंज चौक से भारत माता चौक होते हुए मानव मंदिर चौक व अन्य चौक चौराहों को पार कर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने वाली स्कूटर रैली व कार रैली में पूरे प्रदेश भर के राजपूत समाज के लोगों की उपस्थिति बनी रहेगी.

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए राजपूत समाज के विष्णु बहादुर सिंह ने बताया कि उक्त आयोजन में राजपूत समाज द्वारा बगैर किसी अस्त्र - शस्त्र प्रदर्शन के आयुध पूजन किया जाएगा. वहीं अतिथियों के हाथों समाज से संबंधित एक स्मारिका का भी विमोचित होगी. कार्यक्रम के अगले क्रम में अतिथियों के हाथों जिले के प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर लोटन सिंह परिहार की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा.

कवि राम भदावर का वीर रस काव्य गान

प्रेस वार्ता में बताया गया है समाज द्वारा न्यू चंद्रा कालोनी में आयोजित विजयादशमी समारोह में शाम 5 बजे काव्य गान का आयोजन किया गया है जिसमें युवा हृदय सम्राट वीर रस के कवि राम भदावर चंबल की दहाड़ लगाएंगे.

इस दौरान भिलाई, क्षत्रिय कल्याण सभा ,राजपूत समाज के रामनारायण सिंह (अधिवक्ता) ,अनेंद्र कुमार सिंहसतीश सिंह, हर्षवर्धन सिंह, राजनांदगांव राजपूत क्षत्रिय महासभा से भूपेंद्र सिंह क्षत्रिय, आदर्श सिंह , राजनंदगांव छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा से जय नारायण सिंह, राम नारायण सिंह,संतोष कुमार सिंह ,प्रिंस सिंह ,विशाल सिंह परिहार , अंकित चौहान ,चंदन कुमार सिंह , विश्वेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे.

खरीफ की समीक्षा के साथ रबी की तैयारियों को मिलेगी दिशा, संभागीय बैठक 23 को

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। खरीफ सीजन की उपलब्धियों की समीक्षा और रबी की आगामी तैयारियों को व्यवस्थित रूप देने के लिए कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी की अध्यक्षता में 23 अक्टूबर को संभागीय बैठक आयोजित की जाएगी।

बैठक सवेरे 11 बजे से जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में होगी। इसमें खरीफ वर्ष 2026 की समीक्षा तथा रबी वर्ष 2026-27 के कार्यक्रम का निर्धारण किया जाएगा।

बैठक दो सत्रों में होगी। प्रथम सत्र में सवेरे 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की समीक्षा की जाएगी। दूसरे सत्र में पशुधन विकास एवं मछलीपालन विकास विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा होगी। बैठक में बिलासपुर संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शामिल होंगे।

संभागीय समीक्षा से खरीफ सीजन के अनुभवों के आधार पर रबी की कार्ययोजना को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। कृषि के साथ उद्यानिकी, पशुपालन और मछलीपालन की समन्वित समीक्षा किसानों की आय के विविध साधनों को मजबूत करने की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगी। विभागों के बीच बेहतर तालमेल से आगामी सीजन के कार्यक्रमों को समयबद्ध ढंग से लागू करने की दिशा तय होगी।

बैठक में बिलासपुर संभागायुक्त श्री सुनील जैन सहित कृषि, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, पशुपालन तथा मछलीपालन विभागों के संचालक उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा बीज निगम, मार्कफेड, बीज प्रमाणीकरण संस्था एवं अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के अनुसंधान एवं विस्तार सेवाओं के अधिकारी, नाबार्ड के क्षेत्रीय प्रबंधक तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी भाग लेंगे।

कलेक्टर ने किया जिला कोषालय का निरीक्षण



बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित जिला कोषालय का छमाही निरीक्षण किया। उन्होंने डबल लॉक व्यवस्था का भौतिक सत्यापन करने के साथ संबंधित पंजियों एवं अभिलेखों की जांच की और कोषालय के कामकाज की समीक्षा की। कलेक्टर ने स्टाम्प एवं टिकटों के संधारण, बिल पारित करने की प्रक्रिया, पेंशन भुगतान तथा लेखा संबंधी कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए सभी कार्य निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं के अनुरूप करने के निर्देश दिए। श्री अग्रवाल ने अभिलेखों को व्यवस्थित एवं अद्यतन रखने तथा बिलों और पेंशन प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्री बसंत गुलेरी, सहायक कोषालय अधिकारी श्री सुजीत कुमार पात्रे, खजांची श्री ज्ञानू भारद्वाज, श्री के.के. यादव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

किसानों को गुणवत्तापूर्ण कीटनाशक उपलब्ध कराने सघन जांच, अमानक मिलने पर तत्काल विक्रय प्रतिबंध

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग जिले में कीटनाशकों की गुणवत्ता और बिक्री व्यवस्था की सघन निगरानी कर रहा है। खरीफ वर्ष 2026 में निर्धारित 35 नमूनों के लक्ष्य के विरुद्ध 58 नमूने परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। इनमें 33 नमूने मानक और 15 अमानक पाए गए हैं। अमानक परिणाम प्राप्त होते ही संबंधित कीटनाशकों के विक्रय पर तत्काल प्रतिबंध लगाया गया है। शेष 10 नमूनों के परीक्षण परिणाम प्राप्त होना बाकी है। उप संचालक कृषि ने बताया कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक उपलब्ध कराने तथा विक्रेताओं द्वारा लाइसेंस की शर्तों के अनुरूप अभिलेखों का संधारण सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तरीय निरीक्षण दल और विकासखंड स्तरीय निरीक्षक लगातार जांच कर रहे हैं। प्रतिष्ठानों में उपलब्ध कृषि आदानों, उनके विक्रय एवं वितरण से संबंधित अभिलेखों की जांच के साथ नियमानुसार नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। विभाग द्वारा कृषि आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों के कुल 129 निरीक्षण किए गए हैं। अनियमितताएं पाए जाने पर 14 प्रतिष्ठानों के कीटनाशक विक्रय प्राधिकार पत्र निरस्त और दो प्रतिष्ठानों के प्राधिकार पत्र निलंबित किए गए हैं। इसके अलावा 17 प्रतिष्ठानों में विक्रय प्रतिबंध की कार्रवाई की गई है तथा सात विक्रेताओं का स्टॉक जब्त किया गया है। एक प्रकरण में एफआईआर दर्ज कराई गई है और दो प्रकरणों में अभियोजन की अनुमति के लिए वरिष्ठ कार्यालय को प्रस्ताव भेजे गए हैं। उप संचालक कृषि ने बताया कि कृषि आदानों की कालाबाजारी, अवैध बिक्री और अमानक कीटनाशकों के विक्रय पर नियंत्रण के लिए निरीक्षण एवं कार्रवाई लगातार जारी है। गुणवत्ता नियंत्रण के तहत निर्धारित लक्ष्य से अधिक नमूने लेकर परीक्षण कराना और अनियमितताओं पर कार्रवाई करना इसी निगरानी व्यवस्था का हिस्सा है।

शिकायत और जानकारी के लिए नियंत्रण कक्ष की सुविधा

किसानों की सुविधा के लिए उप संचालक कृषि कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। किसान कार्यालयीन दिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक दूरभाष नंबर 07752-470814 पर संपर्क कर कृषि आदानों से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं अथवा जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उप संचालक कृषि ने किसानों से अपील की है कि बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक पंजीकृत विक्रेताओं से ही खरीदें और खरीदी का बिल अवश्य लें।

बाड़ी में छिपाकर रखी थी 12 लीटर महुआ शराब

महासमुंद। अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पिथौरा पुलिस ने ग्राम ठाकुरदिया खुर्द में एक व्यक्ति की बाड़ी से 12 लीटर हाथभट्ठी निर्मित महुआ शराब बरामद की है। जब्त शराब की कीमत करीब 2400 रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम ठाकुरदिया खुर्द निवासी परसराम निषाद (46) अवैध रूप से महुआ शराब रखे हुए है। सूचना के आधार पर पुलिस ने संदेही की बाड़ी में दबिश दी। तलाशी के दौरान 12 लीटर महुआ शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी परसराम निषाद के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

वीबी-जी राम जी योजना से संवर रहे गांव, ग्रामीण विकास के साथ स्थानीय श्रमिकों को मिल रहा रोजगार

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, रोजगार सृजन और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में वीबी-जी राम जी योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के माध्यम से गांवों में उपयोगी परिसंपत्तियों का निर्माण कर ग्रामीण विकास को नई गति दी जा रही है। इसी कड़ी में जांजगीर-चांपा जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में नए तालाब, डबरी, कच्ची नाली और बालिका शौचालय सहित अनेक विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इन कार्यों से जहां ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा मिल रहा है, वहीं स्थानीय श्रमिकों को अपने गांव में ही रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, जल संसाधनों के संरक्षण और ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से जांजगीर-चांपा जिले में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार पोयाम के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत स्तर पर विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

जल संरक्षण से मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था

योजना के अंतर्गत तालाब और डबरी जैसी जल संरचनाओं का निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इन संरचनाओं से वर्षा जल के संचयन, भूजल पुनर्भरण और स्थानीय स्तर पर जल उपलब्धता बढ़ाने में सहायता मिलेगी। विशेष रूप से कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था में जल संसाधनों का संरक्षण किसानों और ग्रामीण परिवारों के लिए उपयोगी साबित होगा। वहीं कच्ची नालियों के निर्माण से जल निकासी व्यवस्था बेहतर बनाने और जल प्रबंधन को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

गांव में ही रोजगार, ग्रामीण परिवारों की आजीविका को संबल

ग्रामीण विकास कार्यों का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना भी है। तालाब, डबरी और अन्य निर्माण कार्यों में स्थानीय श्रमिकों की भागीदारी से उन्हें अपने गांव में ही काम मिल रहा है। इससे ग्रामीण परिवारों को आर्थिक संबल मिलने के साथ गांवों में उपयोगी और स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण भी हो रहा है। योजना के माध्यम से रोजगार सृजन और ग्रामीण अधोसंरचना विकास को एक साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

अमृत सरोवर में स्वच्छता अभियान, ग्रामीणों को किया जागरूक

जल संरक्षण के साथ स्वच्छता को भी प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में अमृत सरोवर स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की गई तथा ग्रामीणों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। इस पहल का उद्देश्य जल स्रोतों को स्वच्छ रखने के साथ ग्रामीणों में जल संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित करना है।

वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत संचालित ये कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाएं तैयार कर रहे हैं। जल संरक्षण, स्वच्छता, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार का यह समन्वित प्रयास आत्मनिर्भर, स्वच्छ और विकसित गांवों के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सड़क हादसे ने छीना होनहार शिक्षक : बालोद में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से कॉमर्स लेक्चरर की मौत

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले से एक बेहद दुखद और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। जिले के दल्ली राजहरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुसुमकसा गांव के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल सवार शिक्षक को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण सड़क हादसे में शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से इलाके में मातम पसरा हुआ है और शोक की लहर दौड़ गई है।

मृतक की पहचान लितेश कुमार खरे (नितेश खरे) के रूप में हुई है, जो भैंसबोड़ गांव स्थित शासकीय हाई स्कूल में वाणिज्य (कॉमर्स) विषय के व्याख्याता के पद पर लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे थे।

राजहरा पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शिक्षक लितेश कुमार खरे किसी शासकीय कार्य के सिलसिले में जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। वहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) की बैठक में शामिल होने के बाद वे अपनी बाइक से वापस अपने स्कूल और घर लौट रहे थे। जब वे कुसुमकसा गांव के समीप पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शिक्षक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर चोटें आने के कारण उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

शिक्षक लितेश कुमार खरे पिछले कई वर्षों से भैंसबोड़ हाईस्कूल में शिक्षण कार्य से जुड़े हुए थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने वाणिज्य संकाय के सैकड़ों विद्यार्थियों का भविष्य संवारा था। एक मिलनसार, कर्तव्यनिष्ठ और मेहनती शिक्षक के रूप में उनकी खासी पहचान थी। अचानक हुए इस



हादसे की खबर जैसे ही उनके परिवार, स्कूल के छात्र-छात्राओं और अन्य शिक्षकों तक पहुँची, पूरे इलाके में शोक की लहर छा गई। हर कोई इस अचानक हुई दुर्घटना से स्तब्ध और दुखी है।

घटना की सूचना मिलते ही दल्ली राजहरा थाना पुलिस तत्काल हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है और दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि टक्कर मारने वाले वाहन और उसके चालक की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। अज्ञात वाहन का सुराग लगाने के लिए घटनास्थल के आसपास और मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही वाहन की शिनाख्त कर ली जाएगी और आरोपी चालक के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा के नियमों की अनदेखी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बरसात के गड्ढों से मिलेगी राहत बिलासपुर की सड़कों की मरम्मत शुरू

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर बिलासपुर में बरसात के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़कों के गड्ढों को भरने और क्षतिग्रस्त हिस्सों को सुधारने के लिए पैचवर्क किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रमुख मार्गों पर डामरीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य भी शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे। इन कार्यों से नागरिकों को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी और आवागमन सुगम होगा। लोक निर्माण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार रामतला पहुंच मार्ग तथा महामाया चौक से सेंदरी मार्ग पर डामर मरम्मत का कार्य प्रारंभ हो चुका है। इन मार्गों के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कर सड़क की सतह सुधारी जा रही है। बरसात में प्रभावित अन्य सड़कों पर भी पैचवर्क कर गड्ढे भरे जाएंगे। विभाग द्वारा छह प्रमुख मार्गों पर डामर मजबूतीकरण कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा। इनमें राजेंद्र नगर चौक से तारबाहर चौक, महामाया चौक



से देवकीनंदन चौक, नेहरू चौक से उसलापुर, संजय तरण पुष्कर से अग्रसेन चौक, पावरहाउस चौक से दर्रीघाट तथा सीपत से बलौदा मार्ग शामिल हैं। इन सड़कों पर मजबूतीकरण से सड़क की सतह बेहतर होगी और वाहन चालकों को राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त सोन से सोनसरी मार्ग, मल्हारदृचिल्हाटी मार्ग, जोंधरादृसोनदृबसंतपुर मार्ग, खम्हरियादृसोठीदृनवापारा मार्ग तथा पत्रकार कॉलोनी पहुंच मार्ग पर भी निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाना है। इन कार्यों से शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण अंचलों में भी आवागमन की सुविधा बेहतर होगी। सड़कों की मरम्मत और मजबूतीकरण से दैनिक आवागमन करने वाले नागरिकों, विद्यार्थियों, किसानों एवं व्यापारियों को सुविधा मिलेगी। क्षतिग्रस्त हिस्सों के सुधार से यातायात अधिक सुगम होने के साथ सड़क सुरक्षा भी बेहतर होगी।

पातन, लगुण एवं मार्किंग विषय पर वनमंडल स्तरीय कार्यशाला आयोजित

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अंतर्गत वनमंडल कवर्धा द्वारा विदोहन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत पातन, लगुण एवं मार्किंग विषय पर वनमंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

वनमंडलाधिकारी कवर्धा श्री निखिल अग्रवाल के निर्देशन तथा उपवनमंडलाधिकारी सहसपुर लोहारा श्री शिवेन्द्र भगत एवं उपवनमंडलाधिकारी कवर्धा श्री अभिनव केशरवानी के मार्गदर्शन में यह कार्यशाला वन परिक्षेत्र रेंगाखार (उत्पादन), उपवनमंडल सहसपुर लोहारा के अंतर्गत कूप क्रमांक-III, सुतिया, एस.सी.आई. कक्ष क्रमांक 132 में आयोजित की गई।

कार्यशाला के दौरान मैदानी कर्मचारियों को पातन, लगुण एवं मार्किंग की तकनीकी प्रक्रियाओं, निर्धारित मापदंडों तथा वन विदोहन कार्यों के व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान विभागीय नियमों के पालन, कार्यों में एकरूपता बनाए रखने तथा मैदानी अमले की कार्यक्षमता एवं दक्षता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

वनमंडलाधिकारी श्री निखिल अग्रवाल के निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कूपों में संचालित विदोहन कार्यों को निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुरूप व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपादित करना तथा पातन, लगुण एवं मार्किंग की प्रक्रियाओं में एकरूपता एवं दक्षता सुनिश्चित करना रहा। उक्त कार्यशाला में कवर्धा वनमंडल के अंतर्गत समस्त परिक्षेत्र अधिकारी, कूप प्रभारी, कूप सहायक एवं परिक्षेत्र सहायक सहित अन्य मैदानी कर्मचारी उपस्थित रहे।

वैभव सूर्यवंशी को लेकर खौफ में है कीवी टीम, कप्तान सैंटनर ने 15 साल के खिलाड़ी के लिए बनाया खास प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से पूरी दुनिया के गेंदबाजों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी इस बात को माना है कि अगर वैभव को भारत की प्लेइंग-11 में खेलने का मौका मिलता है, तो उन्हें रोकना बहुत मुश्किल होगा। हालांकि पांच मैचों की टी20 सीरीज शुरू होने से पहले कीवी कप्तान ने यह भी कहा कि उनकी टीम ने वैभव के खेलने के तरीके को अच्छे से समझ लिया है और उन्हें रोकने के लिए खास प्लान तैयार किया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच इस सीरीज का पहला मैच 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा।



भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने साफ किया है कि 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को अभी अपनी बारी के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। इसके बावजूद न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने वैभव की तारीफ की और माना कि यह युवा खिलाड़ी आगे चलकर टीम इंडिया के लिए बहुत अहम साबित होगा। सैंटनर ने मैच से पहले कहा कि भले ही वैभव पिछली सीरीज में नहीं खेले थे, लेकिन हम अच्छी तरह जानते हैं कि वो कितने शानदार खिलाड़ी हैं। हमने उन्हें आईपीएल में भी खेलते देखा है। टीम में अभिषेक शर्मा जैसे दूसरे खिलाड़ी भी बहुत अच्छा खेल रहे हैं। लेकिन इतना तय है कि इस सीरीज में या आने वाले समय में, वैभव की भारतीय टीम में बहुत बड़ी भूमिका होने वाली है।

वैभव को लेकर कीवी कप्तान ने आगे कहा कि अगर इस सीरीज में वैभव को खेलने का मौका मिलता है, तो हम सब जानते हैं कि वो क्या कमाल कर सकते हैं। उन्हें मैदान पर रोकना बहुत कठिन रहा है। हमने इंग्लैंड में देखा था कि किस तरह गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों के खिलाफ छोटी और तेज गेंदों का इस्तेमाल किया था। हमने आईपीएल में भी उनका खेलने का आक्रामक तरीका देखा है। इसलिए अगर वो मैदान पर उतरते हैं, तो उन्हें आउट करने या रोकने के लिए हमने पहले से ही प्लान तैयार रखा है।

अभी तक सिर्फ 8 T20I मैच खेल पाए हैं वैभव सूर्यवंशी

वैभव सूर्यवंशी की बात करें तो उन्हें भारत के लिए अभी तक सिर्फ 8 T20I मैचों में खेलने का मौका मिला है। इस दौरान वह 8 पारियों में 30.75 के औसत से 246 रन बनाने में कामयाब रहे हैं। उनके बल्ले से दो अर्धशतक आए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 186.36 का रहा है। T20I में अभी तक वैभव 22 चौके और 18 छक्के लगाने में कामयाब रहे हैं। अगर न्यूजीलैंड सीरीज में वैभव को मौका मिलता है तो वहां वो जाहिर तौर अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे।

एशियन पैरा गेम्स में शीतल देवी और तोमन कुमार का धमाका, कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट में जीता गोल्ड मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाज शीतल देवी और तोमन कुमार ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में अपने शानदार प्रदर्शन से देश का नाम रोशन किया है। दोनों ने कंपाउंड मिक्स्ड टीम स्पर्धा के फाइनल में इंडोनेशिया की जोड़ी को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। भारतीय जोड़ी ने रोमांचक मुकाबले में 151-148 से जीत दर्ज की। इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में भी शीतल और तोमन ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की थी।



भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने फाइनल में शुरुआत से ही सटीक निशाने लगाए और बढ़त बनाए रखी। पहले राउंड में भारत ने 38-37 से मामूली बढ़त हासिल की। दूसरे राउंड में भारतीय तीरंदाजों ने अपने प्रदर्शन को और बेहतर करते हुए स्कोर 77-73 कर दिया। इस दौरान उन्होंने इंडोनेशियाई जोड़ी पर चार अंकों की बढ़त बना ली।

तीसरे राउंड में इंडोनेशिया की तेओदोरा ऑडी आयुडिया फेरेली और केन स्वागुमिलांग ने एक अंक की बढ़त हासिल की, लेकिन भारतीय जोड़ी का कुल अंतर तीन अंक बना रहा। आखिरी राउंड में दोनों टीमों ने 38-38 अंक हासिल किए। भारत की पहले से कायम बढ़त उसे गोल्ड मेडल दिलाने के लिए पर्याप्त रही। इंडोनेशिया को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

शीतल देवी और तोमन कुमार ने फाइनल से पहले क्वालिफिकेशन राउंड में भी कमाल किया था। भारतीय जोड़ी ने कंपाउंड मिक्स्ड टीम रैंकिंग राउंड में कुल 1,402 अंक हासिल किए, जो पिछले विश्व रिकॉर्ड से दो अंक अधिक थे। इस प्रदर्शन ने फाइनल में उनकी दावेदारी को मजबूत किया और दोनों ने खिताबी मुकाबले में भी अपना दम दिखाया।

शीतल देवी भारतीय पैरा तीरंदाजी की सबसे चर्चित खिलाड़ियों में से एक हैं। एशियन पैरा गेम्स से पहले वह कई बड़ी प्रतियोगिताओं में भारत को मेडल दिला चुकी हैं। उनका जन्म दोनों हाथों के बिना हुआ था, लेकिन उन्होंने अपनी शारीरिक चुनौतियों को अपने लक्ष्य के आड़े नहीं आने दिया। वह अपने पैरों और टांगों की मदद से कंपाउंड बो को संभालती हैं, जबकि कंधे और जबड़े का इस्तेमाल कर धनुष की डोरी खींचती और छोड़ती हैं। शीतल और तोमन की इस जीत ने एशियन पैरा गेम्स में भारत की मेडल संख्या में इजाफा किया है।

सिर्फ 1 रन से चूके दोहरा शतक, पर प्रियांश आर्या ने जीता सबका दिल; कहा- जो मिला, उससे खुश हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के युवा और प्रतिभाशाली ओपनर बल्लेबाज प्रियांश आर्या ने रणजी ट्रॉफी में अपने शानदार प्रदर्शन से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। गुजरात के खिलाफ खेले गए रणजी ट्रॉफी मुकाबले में प्रियांश ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 199 रनों की धमाकेदार पारी खेली। हालांकि वह सिर्फ 1 रन से अपने दोहरे शतक से चूक गए। इस मुकाबले में आयुष बडोनी ने दोहरा शतक लगाया था। इसके बावजूद वह अपनी इस उपलब्धि से बेहद खुश और संतुष्ट नजर आए।

220 गेंदों में प्रियांश ने बनाए 199 रन

गुजरात के खिलाफ पालम बी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में बाएं हाथ के बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने महज 220 गेंदों पर 199 रनों की धमाकेदार पारी खेली, जिसमें 24 चौके और 6 शानदार छक्के शामिल थे। उन्होंने सिर्फ 125 गेंदों में ही अपना शतक पूरा कर लिया था। हालांकि, वह दोहरे शतक से सिर्फ एक रन दूर थे कि मानव हिंगराजिया की गेंद पर आउट हो गए। प्रियांश की इस शानदार पारी के दम पर दिल्ली ने अपनी पहली पारी में 648/6 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। उनके अलावा कप्तान आयुष बडोनी ने भी शानदार 217 रन बनाए।

दोहरा शतक से चूकने के बाद प्रियांश ने क्या कहा?

न्यूज एजेंसी के हवाले से प्रियांश आर्य ने एक रन से दोहरा शतक चूकने के बाद बहुत ही सकारात्मक बात कही। उन्होंने ने कोई निराशा नहीं जताई। प्रियांश ने कहा कि वह अपनी इस उपलब्धि से पूरी तरह खुश हैं और सिर्फ एक रन से चूक जाने का उन्हें कोई खास मलाल नहीं है। प्रियांश का मानना है कि जीवन में आगे और भी कई मुकाबले आने वाले हैं, इसलिए वह पुरानी बात पर ज्यादा सोचने के बजाय आगे के मैचों में अपना बेस्ट देने की पूरी कोशिश करेंगे। प्रियांश आर्या ने घरेलू क्रिकेट के महत्व को समझाते हुए कहा कि टेस्ट क्रिकेट हर खिलाड़ी का सपना और इस खेल का सबसे बड़ा स्तर होता है।

ऑस्ट्रेलिया की स्टार प्लेयर मेगन शट पर गिरी गाज, 2 मैचों का लगा सस्पेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी तेज गेंदबाज मेगन शट को दो मैचों के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। ये मामला प्रिस्क्रिप्शन दवा से जुड़े नियमों का पालन नहीं करने से जुड़ा है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी कर ये जानकारी दी। बोर्ड ने साफ किया है कि यह घटना प्रतियोगिता से बाहर के समय हुई थी और इसका प्रदर्शन बेहतर करने वाली दवाओं से कोई संबंध नहीं था। इस प्रतिबंध के कारण शट न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे T20 इंटरनेशनल और महिला बिग बैश लीग यानी WBBL 2026 के शुरुआती मुकाबले में नहीं खेल पाएंगी।



क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक, शट ने स्पोर्ट्स साइंस और स्पोर्ट्स मेडिसन से जुड़े दिशानिर्देशों के तहत प्रिस्क्रिप्शन दवाओं के इस्तेमाल के लिए तय आवश्यकताओं का पालन नहीं किया। यह नियमों के उल्लंघन की एक घटना थी। बोर्ड ने कहा कि वह खिलाड़ी को जरूरी सहयोग देता रहेगा और नेशनल टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को तय मानकों और जिम्मेदारियों का पालन करने के महत्व से अवगत कराता रहेगा।

मिस करेंगी 2 अहम मैच

दो मैचों का प्रतिबंध इंटरनेशनल और घरेलू, दोनों तरह के क्रिकेट पर लागू होगा। इसके चलते 33 साल की मेगन शट 22 अक्टूबर को सिडनी के नॉर्थ सिडनी ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे और आखिरी T20I मुकाबले में नहीं खेल सकेंगी। इसके अलावा, वह 31 अक्टूबर को एडिलेड स्ट्राइकर्स और मेलबर्न स्टार्स के बीच होने वाले WBBL 2026 के शुरुआती मैच से भी बाहर रहेंगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम तीन मैचों की T20I सीरीज में पहले ही 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है। ऐसे में टीम की नजर आखिरी मुकाबला जीतकर न्यूजीलैंड का क्लीन स्वीप करने पर होगी।

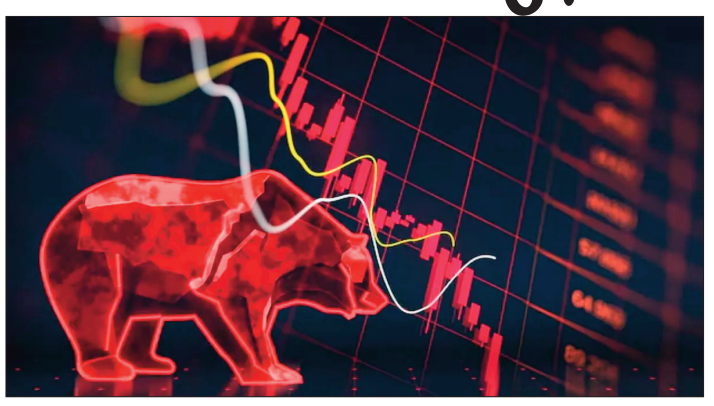
मेगन शट ने मांगी माफी

मेगन शट ने प्रतिबंध को स्वीकार करते हुए अपनी गलती के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि वह अपने ऊपर लगाए गए प्रतिबंध को पूरी तरह स्वीकार करती हैं और उन मानकों पर खरा नहीं उतरने के लिए माफी मांगती हैं, जिनकी उनसे अपेक्षा की जाती है। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले के कारण जो ध्यान आकर्षित हुआ, उसके लिए उन्हें खेद है और उन्हें मिले समर्थन की वह सराहना करती हूं।

व्यापार

बाजार खुलते ही सेंसेक्स 540 अंक लुढ़का, निफ्टी भी 201 अंक नीचे गिरा

मुंबई (एजेंसी)। 22 अक्टूबर 2026 को मिले-जुले वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत काफी निराशाजनक रही। बाजार खुलते ही बिकवाली के भारी दबाव के कारण मुख्य सूचकांकों में तेज गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में ही बीएसई सेंसेक्स लगभग 587 अंक (0.80%) लुढ़ककर 73,121.84 के स्तर पर आ गया। वहीं, एनएसई का निफ्टी 50 भी 223.90 अंक (0.98%) की बड़ी गिरावट के साथ 22,587.45 के स्तर पर फिसल गया।



शुरुआती कारोबार में बाजार का दायरा भी कमजोर रहा। कुल 738 शेयरों में तेजी दर्ज की गई, जबकि 1,934 शेयर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं, 138 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। यानी तेजी वाले शेयरों की तुलना में गिरावट वाले शेयरों की संख्या काफी अधिक रही।

आईटी को छोड़ लगभग सभी सेक्टर्स लाल निशान में

सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो बाजार में चौतरफा बिकवाली का माहौल देखने को मिल रहा है। निफ्टी आईटी सेक्टर इकलौता ऐसा सेक्टर है, जो 0.21% की मामूली बढ़त (32,491.10 अंक) के साथ हरे निशान में बना रहा। वहीं, निफ्टी एमएनसी (MNC) में 1.41% और निफ्टी पीएसई (PSE) में 1.35% की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी एनर्जी इंडेक्स 1.34% टूटा, जबकि निफ्टी एफएमसीजी में 1.25% की गिरावट आई। अन्य सेक्टर्स की बात करें तो निफ्टी इंफ्रा (-1.14%), निफ्टी फार्मा (-1.14%), निफ्टी रियल्टी (-0.93%), निफ्टी पीएसयू बैंक (-0.68%), निफ्टी सर्विसेज (-0.60%) और निफ्टी बैंक (-0.50%) भी भारी दबाव में कारोबार करते दिखे।

हिंडाल्को, टाटा स्टील और नेस्ले इंडिया में भारी गिरावट

शुरुआती कारोबार में निफ्टी 50 के कई प्रमुख शेयरों में तेज बिकवाली देखी गई। नेस्ले इंडिया (-2.84%) और पावर ग्रिड (-2.60%) सबसे ज्यादा टूटने वाले शेयरों में शामिल रहे। इसके अलावा कोल इंडिया (-2.38%), हिंडाल्को (-2.30%), टाटा स्टील (-2.20%), बीईएल (-2.07%), डॉ. रेड्डीज (-2.01%), महिंद्रा एंड महिंद्रा (-1.94%), श्रीराम फाइनेंस (-1.92%) और बजाज फिनसर्व (-1.93%) के शेयरों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

केवल चुनिंदा शेयरों में हरियाली

गुरुवार को सुबह केवल चुनिंदा शेयरों में ही हरियाली देखने को मिली, जिनमें इटर्नल (+0.58%) और एक्सिस बैंक (+0.18%) ही बढ़त के साथ टिके रहे, जबकि आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी बदलाव के सपाट रहा। इंफोसिस और टेक महिंद्रा में भी शुरुआत में मामूली खरीदारी के बाद दबाव देखा गया।वैश्विक बाजार में मंदी के संकेत और कंपनियों के कमजोर नतीजों की वजह से भारतीय निवेशकों का रुझान फिलहाल सतर्क और मुनाफावसूली की ओर दिख रहा है।

एक झटके में 5500 रुपये सस्ती हुई चांदी, सोने में भी बड़ी गिरावट

मुंबई (एजेंसी)। सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार यानी 22 अक्टूबर 2026 को बड़ी गिरावट देखने को मिली। वैश्विक बाजार में बुलियन की कीमतों में कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा। चांदी की कीमत में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई, जबकि सोना भी करीब 1 फीसदी टूट गया। अगर आप सोना-चांदी खरीदने की प्लान बना रहे हैं, तो बाजार के ताजा भाव जानना आपके लिए जरूरी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर चांदी की कीमत में तेज गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के दौरान चांदी का भाव 2 फीसदी से ज्यादा टूटकर 2,03,580 रुपये प्रति किलोग्राम के निचले स्तर पर पहुंच गया। यानी पिछले स्तर के मुकाबले इसमें करीब 5,500 रुपये से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली। वहीं, MCX पर सोने का भाव भी करीब 1 फीसदी गिरकर 1,44,268 रुपये प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे निचले स्तर पर पहुंच गया। इससे सोना और चांदी दोनों में निवेश करने वाले लोगों की नजर बाजार की चाल पर बनी हुई है।



अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना-चांदी कमजोर

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं पर दबाव दिखाई दिया। स्पॉट गोल्ड करीब 1 फीसदी गिरकर 4,112 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार करता दिखा। वहीं, स्पॉट सिल्वर में लगभग 2.2 फीसदी की गिरावट आई और इसका भाव करीब 56.6 डॉलर प्रति औंस रहा। इस गिरावट के पीछे कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को एक अहम वजह माना जा रहा है। अमेरिकी WTI क्रूड करीब 1.4 फीसदी चढ़कर 98.5 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया, जबकि ब्रेंट क्रूड में 1.7 फीसदी की तेजी आई और यह 111 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार करता दिखा। तेल की महंगाई से वैश्विक स्तर पर महंगाई और ऊर्जा संकट की चिंताएं बढ़ रही हैं। दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट की कीमत 1,34,040 रुपये और 18 कैरेट का भाव 1,09,700 रुपये है। इसके अलावा, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये, 22 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये और 18 कैरेट सोना 1,09,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर दर्ज किया गया।

रिलायंस की रिफाइनरी में रुबियो का जोरदार स्वागत, अंबानी संग कई अहम मुद्दों पर हुई बात

जामनगर (एजेंसी)। गुजरात के जामनगर में बुधवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो रिलायंस इंडस्ट्रीज के विशाल परिसर पहुंचे। यहां रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी और उनके परिवार ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। रुबियो ने दुनिया के सबसे बड़े एकल-स्थल तेल रिफाइनिंग परिसर, वन्यजीव बचाव एवं संरक्षण केंद्र वंतारा और रिलायंस के नए ग्रीन एनर्जी मैन्युफैक्चरिंग हब का दौरा किया। यह दौरा ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका भारत के साथ कारोबार बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। रुबियो कुछ घंटे जामनगर में रुके और इसके बाद अमेरिका रवाना हो गए।

अंबानी परिवार ने किया रुबियो का स्वागत

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी और कार्यकारी निदेशक अनंत अंबानी ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का स्वागत किया। रुबियो के साथ उनकी पत्नी जीनेट डूसडेब्स रुबियो भी मौजूद थीं। दोनों मेहमानों ने दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी के परिसर का दौरा किया और इसकी आधुनिक तकनीक, विशाल क्षमता और एकीकृत संचालन की जानकारी ली। उन्हें रिलायंस की नई ऊर्जा गीगाफैक्ट्रियों और निर्माणाधीन डेटा सेंटरों के बारे में भी बताया गया।

दौरे के दौरान ऊर्जा और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश, किफायती और भरोसेमंद ऊर्जा आपूर्ति, आधुनिक तकनीक और मजबूत सप्लाई चेन पर



चर्चा हुई। मुकेश अंबानी और अनंत अंबानी ने जामनगर को डीप-टेक, नवाचार और आधुनिक विनिर्माण का केंद्र बनाने की दीर्घकालिक योजना साझा की। बैठक में अमेरिकी कंपनियों के साथ पारंपरिक और नई ऊर्जा के क्षेत्र में कारोबारी सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार हुआ। मुकेश अंबानी के बड़े बेटे और जियो प्लेटफॉर्म्स के मैनेजिंग डायरेक्टर आकाश अंबानी इस दौरान कंपनी के IPO की तैयारियों की निगरानी कर रहे थे।

भारत को तेल रिफाइनिंग की महाशक्ति बता चुके हैं रुबियो

जामनगर पहुंचने से एक दिन पहले रुबियो ने भारत को कच्चे तेल की रिफाइनिंग के मामले में महाशक्ति बताया था। उन्होंने भारत से वेनेजुएला से आने वाले कच्चे तेल की प्रोसेसिंग बढ़ाने की अपील भी की थी। अमेरिका चाहता है कि भारत पश्चिमी गोलार्ध से आने वाले कच्चे तेल को ज्यादा मात्रा में रिफाइन करे और अमेरिकी ऊर्जा उत्पादों की खरीद बढ़ाए। रिलायंस का जामनगर परिसर रोजाना करीब 14 लाख बैरल कच्चे तेल को प्रोसेस करने की क्षमता रखता है। यहां तैयार होने वाले डीजल और दूसरे रिफाइंड उत्पाद भारत के अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी भेजे जाते हैं।

अमेरिकी डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच हुआ दौरा

रुबियो का जामनगर दौरा अमेरिका में मिडटर्म चुनावों से पहले डीजल की कीमतों को लेकर बढ़ती चिंता के बीच हुआ है। अमेरिका में डीजल की कीमत 6.28 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई है। ऐसे में अमेरिका भारत की विशाल रिफाइनिंग क्षमता के साथ सहयोग बढ़ाना चाहता है, ताकि कच्चे तेल को बड़े पैमाने पर रिफाइन करके अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन की उपलब्धता बढ़ाई जा सके। अमेरिका की कोशिश है कि ऊर्जा कारोबार और रिफाइनिंग में सहयोग से ईंधन की कीमतों पर दबाव कम करने में मदद मिले।

टेक्सास में खोली जा रही है रिलायंस की रिफाइनरी

रिलायंस अमेरिका के टेक्सास के ब्राउन्सविल में प्रस्तावित नई रिफाइनरी से भी जुड़ी है। इस परियोजना को अमेरिका की कंपनी अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग विकसित कर रही है। इसकी प्रस्तावित क्षमता रोजाना 1 लाख 68 हजार बैरल कच्चे तेल को प्रोसेस करने की है। इसे अमेरिका में उत्पादित हल्के शेल क्रूड को रिफाइन करने के लिए तैयार किया जा रहा है। परियोजना पूरी होने पर यह करीब 5 दशकों में अमेरिका में बनने वाली पहली बड़ी नई रिफाइनरी होगी। रिलायंस ने इस संयंत्र से तैयार होने वाले रिफाइंड उत्पाद खरीदने के लिए दीर्घकालिक समझौता भी किया है। जामनगर दौरे से पहले रुबियो ने मंगलवार को मुंबई में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय सहयोग, ऊर्जा, व्यापार, निवेश, रक्षा और महत्वपूर्ण तकनीकों सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

पानी और हवा के बाद अब एनर्जी सेक्टर में KENT RO की एंट्री

मुंबई (एजेंसी)। घर-घर में वाटर प्यूरीफायर के लिए पहचानी जाने वाली KENT अब बिजली और एनर्जी स्टोरेज के कारोबार में भी अपनी जगह बनाने की तैयारी में है। कंपनी ने अपने नए डिवीजन 'KENT New Energy' के तहत लिथियम बैटरी, सोलर हाइब्रिड इन्वर्टर और स्मार्ट पावर बैकअप उत्पाद लॉन्च किए हैं। कंपनी का लक्ष्य लोगों को बिजली कटौती से राहत देने के साथ घरों में सोलर एनर्जी के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है। इस विस्तार के लिए कंपनी ने नोएडा में करीब 250 करोड़ रुपये का निवेश भी किया है।

गरियाबंद में पोषण वाटिका तैयार करने पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित





गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। लोक आस्था सेवा संस्थान द्वारा वूमेनिटी के सहयोग से गरियाबंद में पोषण वाटिका तैयार करने की विधि पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें छुरा और गरियाबंद ब्लॉक की 40 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्था प्रमुख द्वारा पोषण वाटिका के उद्देश्य और महत्व की जानकारी देते हुए । उन्होंने जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए पानी का सदुपयोग करने और घर की बाड़ी या आंगन में पोषण वाटिका तैयार करने के बारे में बताया गया उन्होंने कहा कि जैविक पद्धति से सब्जियां उगाने से परिवार को ताजी और पौष्टिक सब्जियां मिलेंगी। साथ ही पानी का संरक्षण करने, पर्यावरण को अनुकूल बनाए रखने और परिवार के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

इसके बाद उद्यानिकी विभाग, गरियाबंद से आए गोपेश्वर साहू ने महिलाओं को पोषण वाटिका के लिए उपयुक्त स्थान का चयन, क्यारी निर्माण, उन्नत बीजों का चयन, बीज बोने की विधि, सिंचाई तथा जैविक खाद के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को स्वयं क्यारी बनाकर बीज बोने की प्रक्रिया का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया। साथ ही उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे जानकारी दिया ।

इसके बाद लोक आस्था सेवा संस्थान के शुभ्रव्रत दास ने प्रोजेक्टर के माध्यम से पोषक तत्वों के महत्व और उनकी कमी से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में समझाया। बाजार से सब्जियां खरीदने पर होने वाले खर्च में बचत होगी जिसे हम बच्चों के शिक्षा और घर के अन्य मद पर खर्च कर सकते है इसके बारे में जानकारी दिया इस प्रशिक्षण में लोक आस्था के सभी स्टाफ उपस्थित रहे ।

गरियाबंद पुलिस की नई पहल: 'ट्रैफिक वार्डन' सुगम यातायात और सड़क सुरक्षा में देंगे योगदान

ट्रैफिक वार्डनो को वितरण की टी-शर्ट, कैप, सीटी और रेडियम जैकेट





गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से गरियाबंद पुलिस द्वारा एक सराहनीय जन-भागीदारी पहल की शुरुआत की गई है। विभिन्न थाना क्षेत्रों से स्वेच्छा से पुलिस के साथ जुड़कर यातायात प्रबंधन में सहयोग करने के इच्छुक जागरूक युवाओं के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में एक विशेष प्रशिक्षण एवं किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक वेद व्रत सिरमौर (भा.पु.से.) की अध्यक्षता एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कर्ण कुमार उके, डीएसपी (यातायात एवं साइबर) सुश्री लितेश सिंह तथा यातायात प्रभारी सहाय उपनिरीक्षक रामाधार मरकाम की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

यातायात नियमों का दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण

कार्यक्रम के दौरान यातायात डीएसपी सुश्री लितेश सिंह एवं यातयात के सहायक उपनिरीक्षक रामाधार मरकाम द्वारा उपस्थित युवाओं को यातायात के बुनियादी नियमों, प्रमुख रोड संकेतों और सड़क सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी दी गई। युवाओं को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्र के अंतर्गत भीड़भाड़ वाले संवेदनशील चौराहों व बाजारों में संबंधित थाना प्रभारी के समन्वय से यातायात को सुचारू बनाने में सहयोग करेंगे। इसके साथ ही, किसी भी सड़क दुर्घटना की स्थिति में तत्काल नजदीकी थाना एवं डायल 112 को सूचना देकर घायलों की त्वरित मदद सुनिश्चित करने की हिदायत दी गई।

'ट्रैफिक वार्डन' के रूप में अधिकृत, सुरक्षा किट का वितरण

सेवा भावना से जुड़े इन युवाओं को गरियाबंद पुलिस द्वारा औपचारिक रूप से 'ट्रैफिक वालंटियर / ट्रैफिक वार्डन' के रूप में अधिकृत किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर द्वारा सभी ट्रैफिक वार्डनों को कर्तव्य के दौरान पहचान एवं सुरक्षा हेतु टी-शर्ट, कैप, सीटी (व्हिसल) एवं रेडियम जैकेट प्रदान की गई।

सड़क सुरक्षा योजनाओं के प्रचार-प्रसार का आह्वान

प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित अधिकारियों द्वारा ट्रैफिक वार्डनों को केंद्र व राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं—विशेषकर सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद से जुड़ी 'राहवीर योजना' (गुड सेमेरिटन) एवं 'पीएम राहत योजना' के प्रावधानों से अवगत कराया गया।

वार्डनों को प्रेरित किया गया कि वे आम नागरिकों के बीच इन योजनाओं की जानकारी पहुंचाएं, ताकि दुर्घटना के समय लोग बिना किसी भय के पीड़ितों की मदद के लिए आगे आ सकें।

गरियाबंद पुलिस ने युवाओं के इस सेवा भाव की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि जन-सहयोग के इस मॉडल से जिले की यातायात व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी।

कबीरधाम पुलिस ने पंजाब एजेंसी कृषि केंद्र में हुई चोरी का किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। थाना पंडरिया पुलिस ने पंजाब एजेंसी कृषि केंद्र में हुई 4 लाख 10 हजार रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए आरोपी नंद राम श्रीवास, उम्र 37 वर्ष, निवासी ग्राम घोंठा, थाना पांडातराई, जिला कबीरधाम को गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की बचत नगदी रकम 1,49,080 रुपये, चोरी के पैसों से खरीदे गए चांदी के एक जोड़ी लच्छा तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन एवं लोहे का सब्बल सहित कुल 3,02,080 रुपये की संपत्ति जप्त की गई है।

कृषि केंद्र में सेंधमारी कर 4 लाख 10 हजार रुपये की चोरी

प्रार्थी अमरीक सिंह सलूजा ने थाना पंडरिया में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 14 एवं 15 अक्टूबर 2026 की दरमियानी रात कुकदूर तिराहा, पंडरिया के पास स्थित पंजाब एजेंसी कृषि केंद्र में अज्ञात चोर द्वारा सेंधमारी कर दुकान के काउंटर की दराज में रखी नगदी रकम 4,10,000 रुपये चोरी



कर ली गई। रिपोर्ट पर थाना पंडरिया में अपराध क्रमांक 216/2026, धारा 331(4), 305A भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सीसीटीवी फुटेज एवं तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण से आरोपी की पतासाजी

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना पंडरिया पुलिस द्वारा घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से अवलोकन किया गया। तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण तथा मुखबिरों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर संदिग्ध की पहचान एवं पतासाजी की गई।

पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास करते हुए आरोपी नंद राम श्रीवास के ग्राम घोंठा क्षेत्र में मिलने पर उससे पूछताछ की गई। विवेचना के दौरान आरोपी के मेमोरेंडम कथन के आधार पर चोरी की घटना से संबंधित महत्वपूर्ण सामग्री बरामद की गई, जिससे प्रकरण के खुलासे में सफलता मिली।

आरोपी की निशानदेही पर नगदी एवं चांदी के आभूषण सहित अन्य सामग्री जप्त

आरोपी के मेमोरेंडम कथन एवं निशानदेही के आधार पर उसके निवास से चोरी की बचत नगदी रकम 1,49,080 रुपये तथा चोरी के पैसों से खरीदे गए चांदी के एक जोड़ी लच्छा, कीमत लगभग 1,32,000 रुपये, जप्त किए गए।

इसके अतिरिक्त वारदात में प्रयुक्त नीले रंग की बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल क्रमांक CG 10 ED 7263, कीमत लगभग 15,000 रुपये, सिम लगा रियलमी कंपनी का मोबाइल फोन, कीमत लगभग 5,000 रुपये तथा सेंधमारी में प्रयुक्त लोहे का सब्बल, कीमत लगभग 1,000 रुपये, भी विधिवत जप्त किया गया। वारदात के दौरान आरोपी द्वारा पहने गए कपड़े भी जप्त किए गए हैं। इस प्रकार चोरी की बचत नगदी, चांदी के आभूषण तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन एवं लोहे के सब्बल की उपलब्ध अनुमानित कीमत के आधार पर कुल 3,02,080 रुपये की संपत्ति जप्त की गई है। कपड़ों का मूल्य इस राशि में शामिल नहीं है।

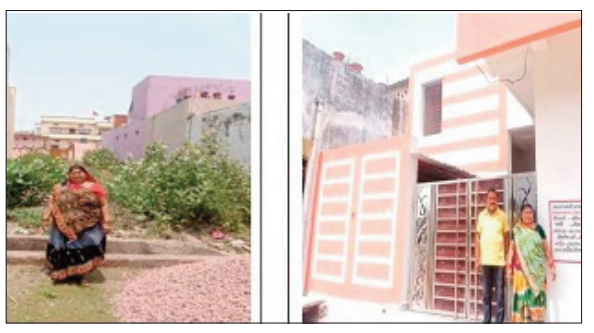
आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड की कार्यवाही

प्रकरण में उपलब्ध साक्ष्यों एवं विवेचना के आधार पर आरोपी नंद राम श्रीवास को दिनांक 22.10.2026 को विधिवत गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। मामले में अग्रिम विवेचना जारी है।

आरोपी आदतन आपराधिक प्रवृत्ति का है। इसके विरुद्ध पूर्व में कबीरधाम जिला के चौकी बैजलपुर में भी चोरी का मामला दर्ज है।

किराए की छत से अपने आशियाने तक 40 वर्षों के संघर्ष को मिला सुकून

दुर्ग। कुछ सपने उम्र के साथ बूढ़े नहीं होते। वे मन के किसी कोने में उम्मीद बनकर जीवित रहते हैं। अपने घर का सपना भी ऐसा ही सपना है—एक ऐसी छत, जिसे इंसान पूरे अधिकार और आत्मसम्मान के साथ अपना कह सके।



दुर्ग के आशा नगर, हरिनगर की रहने वाली श्रीमती सीता बाई देवांगन और उनके पति जीवन लाल देवांगन ने इस सपने को अपनी जिंदगी के लगभग चार दशक समर्पित किए। आज जब उनके सिर पर अपनी पक्की छत है, तो यह सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, त्याग, मेहनत और उम्मीद के बाद मिली सुकून की छाँव है।

35-40 वर्ष पूर्व सीता बाई और उनके पति रोजगार की तलाश में दुर्ग आए थे। सीमित साधनों के साथ उन्होंने एक नए शहर में अपनी जिंदगी शुरू की। आमदनी कम थी, जिम्मेदारियाँ बड़ी थीं और भविष्य अनिश्चित था। वर्षों तक किराए के मकान में रहते हुए परिवार की जरूरतें पूरी करना ही उनकी पहली प्राथमिकता रही।

श्रीमती सीता बाई फल बेचकर परिवार की आजीविका में योगदान देती रहीं, वहीं जीवन लाल सिलाई का काम करते रहे। मेहनत दोनों की दिनचर्या थी और परिवार उनका सबसे बड़ा संबल।

फिर वह दिन आया, जब वर्षों से आँखों में संजोया सपना हकीकत में बदल गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से श्रीमती सीता बाई देवांगन और उनके परिवार को अपना पक्का घर मिला।

असत्य पर सत्य की जीत का पर्व दशहरा धूमधाम से मनाया गया, एक दूसरे को सोनपान दिये



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। लोरमी नवजीवन क्लब के द्वारा हाईस्कूल के मैदान में रावण दहन के लिए विशेष तैयारी किया गया दशहरा समिति के सभी सदस्यों के द्वारा एकजुट के साथ रावण दहन के लिए निकले जिसमें समिति के द्वारा आकर्षक झांकी के साथ श्री राम, लक्ष्मण सीता हनुमान शंकर जी व रावण का जीवत झाकीयों के साथ श्री राम की जय जयकारों के साथ पूरे नगर का भ्रमण करते हुए हाईस्कूल के मैदान में 30 फीट रावण का विधि विधान के साथ दहन किया गया तथा इस अवसर पर विशेष रूप से राजपरिवार के प्रमुख अपने अस्त्र शस्त्रों के साथ थे व लोरमी के नागरिक गण प्रमुख रूप से मौजूद थे।

रावण दहन के बाद सभी लोग एक दूसरे को सोनपान देकर गले मिले तो छोटे ने बड़ों का पैर छूकर आर्शीवाद लिये। इस दौरान नरेन्द्र खत्री जितेन्द्र पाठक, अमित दुबे, प्रशांत शर्मा, विश्वास दुबे, आवेश द्विवेदी, आकाश केशरवानी देवी जायसवाल, समीर पाठक, अशुमान दुबे, लक्ष्मी खत्री, जितेन्द्र खत्री यतीन्द्र खत्री मोनू यादव अशुतोष केशवानी, श्रेय त्रिपाठी, अमन सलुजा, दीपक जायसवाल (ईट्टी) अश पाठक, बहादर यादव, श्लोक दुबे, आकाश सलुजा, आशिष शर्मा अक्षित दुबे, मनीष जायसवाल प्रेम यादव, राजेश जायसवाल प्रहलाद रजक सुहित नवजीवन क्लब के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

राजपरिवार में पूजा अर्चना कर निकाला गया झांकी

वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार रावण दहन के पूर्व राजपरिवार के राजाबाड़ा में श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान की सर्वप्रथम पूजा अर्चना किया गया जहाँ से फिर बाजे गाजे के साथ अस्त्र-षस्त्र के साथ झांकी निकालते हुये नगर के राजाबाड़ा से होते हुए फौव्वारा चौक, मुंगेली रोड़ पुराना बस स्टेण्ड मार्ग होते हुए झांकी हाईस्कूल के मैदान में पहुंचती है जहाँ रावण के पुतले का दहन किया जाता है वही पूरे मार्ग में आतिशबाजी के साथ झांकीयों पहुंचते हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा किया गया स्वागत

नवजीवन क्लब दशहरा महोत्सव के द्वारा आयोजित झांकियों का मंच के माध्यम से साजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा स्वागत किया गया।

इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं के द्वारा श्रीराम के जयकारे लगाये, मंच में गुरमीत सलुजा, सुजीत वर्मा अशोक जायसवाल महेन्द्र खत्री विश्वास दुबे नीतेश मिंटु अग्रवाल, अमिताम तिवारी, विनोद राजपुतु अशोक साहु दुष्यतं खत्री छेदु यादव, आलोक शिवहरे विकास केशरवानी हितेश सापरिया, मोटु गुप्ता, पवन गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

अवैध धान की आवक रोकने गरियाबंद में बनाए गए 30 चेकपोस्ट

सीमावर्ती खरीदी केंद्रों पर रहेगी विशेष निगरानी

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान दूसरे राज्यों से अवैध धान की आवक रोकने के लिए छत्तीसगढ़ शासन ने सख्त कदम उठाए हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने 21 अक्टूबर को इस संबंध में विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत गरियाबंद जिले में 30 चेकपोस्ट बनाए गए हैं, जबकि पूरे प्रदेश में कुल 273 चेकपोस्ट निर्धारित हैं। शासन ने सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने और अवैध धान की आवक पर प्रभावी नियंत्रण रखने के निर्देश दिए हैं।

शासन द्वारा जारी सीमावर्ती जिलों के धान उपार्जन केंद्रों की सूची में गरियाबंद जिले के आठ केंद्र शामिल हैं। इनमें झाखरपारा, ढोर्रा, रसैला, तेतलखूंटी, दुल्ला, देवभोग, उरमाल और सीनापाली शामिल हैं। इन केंद्रों पर धान खरीदी के दौरान विशेष निगरानी रखी जाएगी, ताकि दूसरे राज्यों से धान लाकर स्थानीय किसानों के पंजीकृत रकबे में बेचने की कोशिशों को रोका जा सके।

शासन के निर्देशानुसार, 15 नवंबर 2026 से 30 अप्रैल 2027 तक दूसरे राज्यों से धान का आयात खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के संचालक की अनुमति से ही किया जा सकेगा। हालांकि, 3300 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक लागत वाली सुपर फाइन किस्म के धान के आयात के लिए संचालक की अनुमति आवश्यक नहीं होगी, लेकिन इसकी सूचना जिला खाद्य अधिकारी अथवा खाद्य नियंत्रक को देना अनिवार्य होगा।





कोचियों और बिचौलियों पर भी कसेगा शिकंजा

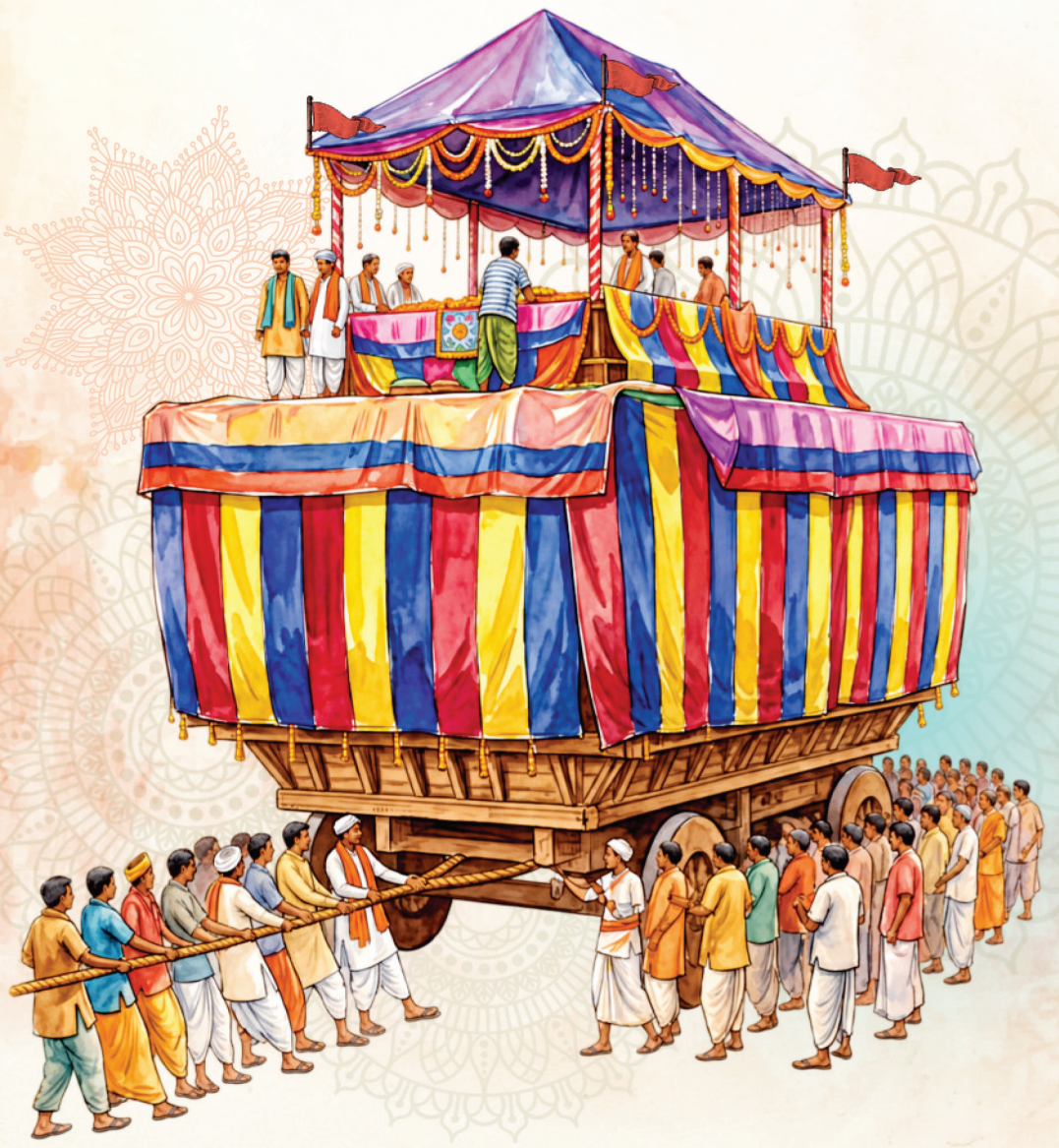
धान खरीदी व्यवस्था में गड़बड़ी रोकने के लिए गांवों और शहरी क्षेत्रों में अवैध रूप से धान खरीदने वाले कोचियों एवं बिचौलियों की पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि कोई बिचौलिया दूसरे किसानों का धान लाकर किसी पंजीकृत किसान के रकबे में बेचने का प्रयास करता है, तो संबंधित वाहन और धान जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए कलेक्टरों को राजस्व, खाद्य, मंडी, सहकारिता, वन और परिवहन विभाग के अधिकारियों को शामिल करते हुए विशेष जांच दल गठित करने को कहा गया है।

खरीदी केंद्रों और राइस मिलों के स्टॉक की होगी जांच

शासन ने धान खरीदी केंद्रों में भंडारित धान का भौतिक सत्यापन करने और स्टॉक का व्यवस्थित रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। खरीफ वर्ष 2026-27 में सोमवार से शुक्रवार तक, शासकीय अवकाश को छोड़कर, धान खरीदी की जाएगी। प्रत्येक शनिवार को खरीदे गए धान की मात्रा, बारदानों के उपयोग और उपार्जन के लिए प्राप्त राशि के व्यय का विवरण खरीदी सॉफ्टवेयर में दर्ज करना अनिवार्य होगा।

कलेक्टर द्वारा प्रत्येक खरीदी केंद्र के लिए अधिकारी नामांकित किए जाएंगे, जो मौके पर पहुंचकर धान और बारदानों के स्टॉक का सत्यापन करेंगे।

इसके अलावा राइस मिलों में सरकारी एवं निजी धान के स्टॉक, तैयार चावल और बिजली खपत के रिकॉर्ड की भी जांच की जाएगी। स्टॉक में अंतर या अन्य अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



बस्तर दशहरा 2026

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

जनजातीय संस्कृति, जनआस्था और जनभागीदारी का उत्सव

मुरिया दरबार एवं बस्तर दशहरा



23 अक्टूबर 2026

समय:- अपराह्न 12:45 बजे

स्थान :- लाल बाग मैदान, जगदलपुर

माननीय राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी

का

हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन



श्री विष्णु देव साय

माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

संवाद आर.ओ. नं.- 49529/38

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com